TarunMitra TarunMitra TarunMitra

www.youtube.com/@TarunmitraGroup

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

भोपाल

वर्षः 6 अंक 100

गुरूवार 28 मई, 2026

तापमान

अधिकतम 38°C

न्यूनतम 24°C

मूल्य 2 रुपए

पृष्ठ-8

मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र से प्रकाशित

www.tarunmitra.in

लेबनान सीमा पर फिर भीषण इजराइली हमला, 34 की मौत

बेरूत/तेल अवीव, 27 मई। लेबनान और इजराइल सीमा पर एक बार फिर हिंसा तेज हो गई है। सैन्य विराम के बीच इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई और जमीनी हमले तेज कर दिए हैं। मंगलवार को हुए हमलों में कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं।

लगातार हो रही गोलाबारी और बमबारी से पूरे दक्षिणी लेबनान में भय और अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। लेबनान के स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के गढ़ माने जाने वाले कई इलाकों को निशाना बनाया है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान के गांवों तथा कस्बों को खाली कराने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। सेना नबातीह शहर समेत कई इलाकों में लोगों को घर छोड़ने के लिए मजबूर कर रही है। इसके चलते बड़ी संख्या में लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। इजराइली सेना ने पूर्वी लेबनान के

- हिजबुल्लाह के 22 हमलों के बाद इजराइल ने बढ़ाई सैन्य कार्रवाई
- नबातीह और बेका क्षेत्र में दहशत, हजारों लोग पलायन को मजबूर

बेका क्षेत्र में मशगारा और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण काराउन बांध के आसपास भी हमले किए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, केवल मशगारा गांव में एक इमारत पर हुए हमले में 11 लोगों की मौत हुई है।

कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और राहत एजेंसियां प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

एसआईआर प्रक्रिया जायजः सुप्रीम कोर्ट

अदालत की बड़ी टिप्पणी, मतदाता सूची पुनरीक्षण पर चुनाव आयोग को संवैधानिक अधिकार

नई दिल्ली, 27 मई। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रहे राजनीतिक और कानूनी विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयोग को बड़ी राहत दे दी। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग द्वारा कराया जा रहा एसआईआर संविधान और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरता है तथा इसे अवैधानिक नहीं कहा जा सकता। अदालत के इस फैसले को आगामी चुनावों से पहले चुनाव आयोग के लिए महत्वपूर्ण समर्थन माना जा रहा है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आत्मा हैं और मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है।

अदालत ने माना कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची के पुनरीक्षण का अधिकार प्राप्त है और इतने बड़े स्तर पर कार्य करने के

राहत

- संदिग्ध नागरिकता मामलों की जानकारी चार सप्ताह में केंद्र को देने के निर्देश
- स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की सबसे मजबूत संवैधानिक आधारशिलाः सर्वोच्च अदालत

लिए प्रक्रिया तथा नियम तय करने की स्वतंत्रता भी आयोग के पास है।

सुनवाई के दौरान अदालत के सामने यह सवाल प्रमुख रूप से उठा कि क्या एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग नागरिकता तय करने की कोशिश कर रहा है। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने साफ कहा कि चुनाव आयोग नागरिकता निर्धारित नहीं करता। यदि किसी व्यक्ति के दस्तावेजों को लेकर संदेह उत्पन्न होता है तो आयोग केवल

संबंधित मामलों की जानकारी सक्षम प्राधिकरण को भेज सकता है। अंतिम निर्णय केंद्र सरकार अथवा अधिकृत एजेंसियां ही लेंगी। पीठ ने यह भी कहा कि केवल प्रक्रिया में कुछ आशंकाएं होने के आधार पर पूरे पुनरीक्षण अभियान को रद्द नहीं किया जा सकता। अदालत ने माना कि बिहार में एसआईआर की आवश्यकता थी और आयोग द्वारा उठाए गए कदम परिस्थितियों के अनुरूप थे। न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं की उस दलील को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि मतदाताओं पर स्वयं को साबित करने का अनुचित बोझ डाला जा रहा है।

फैसले पर भाजपा-कांग्रेस के बीच तेज हुआ सियासी संघर्ष

नई दिल्ली। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। अदालत ने एसआईआर प्रक्रिया को संवैधानिक और वैध बताते हुए कहा कि मतदाता सूचियों की शुद्धता और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। फैसले के बाद दोनों दलों ने एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर को वैध जरूर माना है, लेकिन फैसले में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल भी उठे हैं। उन्होंने कहा कि अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति की नागरिकता तय करने का अंतिम अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है।

सूचना

देश एवं प्रदेशवासियों को ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद।

ईद-उल-अजहा के अवसर पर तरुणमित्र प्रेस एवं कार्यालय 28 मई 2026 को बन्द रहेगा, अतएव पत्र का अगला प्रकाशन 30 मई 2026 को होगा।

-सम्पादक

हीटवेव पर पीएम मोदी बोले-प्यासों को जरूर पिलाएं पानी

देशवासियों से हाइड्रेटेड रहने का आग्रह

नई दिल्ली, 27 मई। देशभर में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और हीटवेव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से सतर्क रहने और जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की है।

बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर किए गए कई पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है और इसके कारण लोगों की दैनिक जिंदगी प्रभावित हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सभी लोग गर्मी से बचाव के लिए अधिक से अधिक सावधानी बरतें। उन्होंने लोगों से पर्याप्त पानी पीने, शरीर को हाइड्रेटेड रखने और घर से बाहर निकलते समय पानी साथ रखने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस मौसम में छोटी-सी संवेदनशीलता भी किसी के लिए बड़ी राहत बन सकती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि संभव हो तो किसी प्यासे व्यक्ति को एक गिलास पानी जरूर पिलाएं। प्रधानमंत्री ने उन लोगों की भी सराहना की जो अपने घरों और दुकानों के बाहर मटके में पानी रखते हैं ताकि राहगीर अपनी प्यास बुझा सकें।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि लोग अपने माता-पिता, दादा-दादी और अन्य परिजनों का हालचाल लेते रहें तथा उन्हें तेज धूप में बाहर न निकलने और पर्याप्त आराम करने की सलाह दें।

योग और खजुराहो दोनों भारतीय संस्कृति के अभिन्न स्तंभ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विश्व धरोहर खजुराहो में हुआ योग महोत्सव 2026, मप्र के मुख्यमंत्री कार्यक्रम को वर्चुअली जुड़े

भोपाल, 27 मई। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय योग परम्परा को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़कर स्वस्थ, जागरूक एवं आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। योग और खजुराहो, दोनों ही सदियों से भारतीय संस्कृति के अभिन्न स्तंभ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के 25 दिवसीय काउंटडाउन के अवसर पर यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में बुधवार को आयोजित योग महोत्सव 2026 कार्यक्रम को वीडियो कानफ्रेंस के जरिए वर्चुअली जुड़कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार योग के प्रचार के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। योग को प्रदेश के घर-घर तक पहुंचाने के लिए आयुष विभाग द्वारा इन दिनों "घर-घर योग-हर व्यक्ति निरोगऱ अभियान भी चलाया जा रहा है ।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा

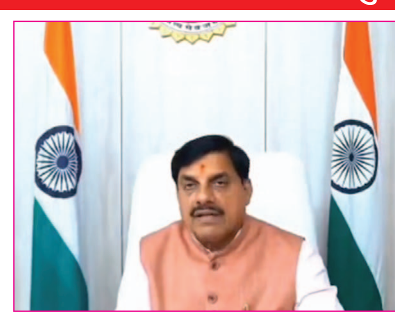

कि योग आज सिर्फ एक व्यायाम नहीं, बल्कि 'वन अर्थ-वन हेल्थ' की भावना को साकार करने वाला जीवन दर्शन बन चुका है। मध्य प्रदेश सरकार घर-घर योग हर व्यक्ति निरोध के भाव से योग और आयुष चिकित्सा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। आयुष विभाग के माध्यम से आरोग्य मंदिरों, योग वेलनेस सेंटर्स और विभिन्न जनजागरुकता की गतिविधियों के माध्यम से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए सफल अभियान चलाया जा रहा है ।उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले काउंटडाउन इवेंट से देशभर में लाखों लोग जुड़ रहे हैं। आज की युवा पीढ़ी भी योग को सहर्ष स्वीकार कर रही है। हम योग को सांस्कृतिक मूल्यों के साथ जोड़कर एक स्वस्थ, जागरूक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबके सहयोग से हम योग को हर नागरिक के जीवन का हिस्सा बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। केन्द्रीय आयुष मंत्रालय का यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 की राष्ट्रव्यापी तैयारियों में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है।

यह कार्यक्रम योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के प्रति केन्द्र और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है।

आसाराम की आजीवन कारावास की सजा बरकरार, करना होगा सरेंडर

जोधपुर, 27 मई। राजस्थान उच्च न्यायालय की जोधपुर पीठ ने अपने ही आश्रम की नाबालिग छात्रा से यौन उत्पीडन.मामले में आसाराम को राहत देने से इनकार करते हुए उसकी आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी है। बुधवार को जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की डिवीजन बेंच ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने आसाराम समेत तीन आरोपितों की अपीलों पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि निचली अदालत द्वारा दी गई सजा में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि अदालत ने उन्हें गैंगरेप की धारा से बरी कर दिया, लेकिन अन्य गंभीर आरोपों में दोषसिद्धि कायम रखी गई है। साथ ही कोर्ट ने आसाराम को तत्काल सरेंडर करने के आदेश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

सार्वजनिक वितरण प्रणाली बनेगी बेहतर, 25,530 करोड़ रुपए मंजूर

नई दिल्ली, 27 मई। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली को बेहतर और किफायती बनाने के लिए सार्थक-पीडीएस योजना को एकीकृत और 31 मार्च 2031 तक जारी रखने को मंजूरी दी है। योजना के तहत खाद्यान्न परिवहन, भंडारण, ई-पॉस स्वचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए 25,530 करोड़ रुपये के केंद्रीय व्यय को स्वीकृति दी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बुधवार को हुई बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।

पूर्व भारतीय निशानेबाज और ओलंपियन रणधीर सिंह का निधन

नई दिल्ली, 27 मई। पूर्व भारतीय निशानेबाज और ओलंपियन रणधीर सिंह का बुधवार सुबह नई दिल्ली में 79 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से भारतीय खेल जगत, विशेषकर निशानेबाजी समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित रणधीर सिंह भारतीय और एशियाई खेल प्रशासन में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाते रहे। वह 1987 से 2012 तक भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के महासचिव रहे।

पूर्व सीएम विजयन के आवास पर ईडी कार्रवाई पर भड़के वाम कार्यकर्ता

केरल, 27 मई। राजधानी तिरुवनंतपुरम में बुधवार को उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष पिनाराई विजयन के आवास से तलाशी पूरी कर बाहर निकली। आरोप है कि सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं ने ईडी अधिकारियों के वाहनों को घेर लिया और उन पर पथराव किया, जिससे एजेंसी की तीन गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान भीड़ नियंत्रित करते समय एक पुलिसकर्मी घायल हो गया।

फरार टीएमसी विधायक दिलीप मंडल पुरी से गिरफ्तार

कोलकाता, 27 मई। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने कई सप्ताह से फरार चल रहे तृणमूल कांग्रेस विधायक दिलीप मंडल को ओडिशा के पुरी से गिरफ्तार कर लिया है। दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक दिलीप मंडल को पुरी के एक होटल में छिपे होने की सूचना के आधार पर हिरासत में लिया गया।

पुलिस अब उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता ला रही है। पुलिस के अनुसार, हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें दिलीप मंडल पर विपक्षी दल के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को धमकी देने के आरोप लगे थे।

नेहरू का नेतृत्व सदैव प्रेरणा देता रहेगाः राहुल

नई दिल्ली, 27 मई। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर बुधवार को कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने शांतिवन पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान नेताओं ने नेहरू को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए उनकी दूरदर्शी सोच, लोकतांत्रिक मूल्यों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को याद किया।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पंडित नेहरू ने मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं और आधुनिक भारत के निर्माण की बुनियाद रखी। खरगे ने कहा कि स्वतंत्रता, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच के प्रति नेहरू का समर्पण भारत की आत्मा में आज भी जीवित है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल

श्रद्धांजलि

- प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू को कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

गांधी ने पंडित नेहरू को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समावेशी, सौहार्दपूर्ण और प्रगतिशील भारत के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया।

राहुल गांधी ने कहा कि स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक सिद्धांतों, संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और वैज्ञानिक सोच पर आधारित नेहरू का नेतृत्व सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

कांग्रेस महासचिव व लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि किसी भी काम का वास्तविक पैमाना यह है कि समाज के कितने लोगों के आंसू पोंछे गए और कितनों के जीवन में खुशहाली लाई गई।

उन्होंने कहा कि नेहरू का मानना था कि देश तभी आगे बढ़ सकता है जब करोड़ों लोग तरक्की करें और खुशहाल हों।

नीट पेपर लीक में दो और आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 मई। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने जांच का दायरा और तेज करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। सीबीआई के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में लातूर निवासी डॉक्टर मनोज शिरुरे और पुणे के एक मेडिकल अकादमी में भौतिकी पढ़ाने वाले तेजस हर्षदकुमार शाह शामिल हैं। जांच एजेंसी के मुताबिक, डॉक्टर मनोज शिरुरे ने एक कोचिंग सेंटर संचालक के बेटे समेत तीन छात्रों को रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं तेजस शाह को लीक हुआ भौतिकी का प्रश्नपत्र पहले से गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार के जरिए मिला था। सीबीआई अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी हुई है। सीबीआई ने बताया कि इस मामले की जांच के दौरान अब तक देशभर में 49 स्थानों पर छापेमारी की जा चुकी है। इन कार्रवाइयों में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने 'एयर एम्बुलेंस एमपी' पोर्टल एवं मोबाइल ऐप का किया शुभारंभ

भोपाल, 27 मई। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बुधवार को मंत्रालय में 'एयर एम्बुलेंस एमपी' पोर्टल एवं मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके तहत किसी भी नागरिक को समय पर उपचार के अभाव में जीवन न गंवाना पड़े।

नए पोर्टल एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से एयर एम्बुलेंस सेवा के लिए अनुरोध की प्रक्रिया अब और अधिक सरल एवं तेज होगी।

उन्होंने कहा की पोर्टल में एयर एम्बुलेंस फ्लीट की रियल टाइम ट्रैकिंग, सेवा अनुरोधों का सुगम डिजिटल प्रवाह, सेवा प्रदाताओं को तत्परता हेतु रियल टाइम नोटिफिकेशन तथा अनुमोदन प्राधिकारी को समयबद्ध स्वीकृति के लिए अलर्ट जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। साथ ही पूरी प्रक्रिया में जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाएगी। गौरतलब है की पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा गंभीर एवं आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को शीघ्र स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रदेश में यह सेवा अब तक 140 जीवनरक्षक मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा कर चुकी है। इनमें नवजात शिशुओं, हृदय रोग, ट्रॉमा, न्यूरोलॉजिकल आपात स्थितियों एवं अंग प्रत्यारोपण से जुड़े मामलों का सफल एयर मेडिकल ट्रांसफर शामिल है। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के अंतर्गत आयुष्मान भारत कार्डधारकों एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को निःशुल्क एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे स्वास्थ्य संस्थानों से दूरी एवं आर्थिक स्थिति जीवनरक्षक उपचार में बाधा नहीं बने। सेवा के संचालन के लिए भोपाल में 247 एयर मेडिकल ऑपरेशन व्यवस्था स्थापित की गई है।

इसके अंतर्गत एक फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट बीचक्राफ्ट किंग एयर सी -90 तथा एक मल्टी इंजन हेलीकॉप्टर एडबल्यू -10 लगातार स्टैंडबाय पर उपलब्ध हैं, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में शिकायत दर्ज

सिलीगुड़ी, 27 मई। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। अधिवक्ता रिंकी चटर्जी द्वारा मंगलवार को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2025 में कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित ईद कार्यक्रम के दौरान ममता बनर्जी ने कथित रूप से हिंदुत्व और हिंदू समुदाय को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके अलावा, 2026 विधानसभा चुनाव से पहले एक धरना मंच से भी हिंदुओं के खिलाफ विवादित बयान देने का आरोप लगाया गया है।

शिकायतकर्ता का दावा है कि उन्होंने पहले प्रधान नगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की थी, लेकिन पुलिस ने शिकायत लेने से इनकार कर दिया।

दिल्ली बैठकों के बाद कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं ने पकड़ी रफ्तार

कर्नाटक में सत्ता बदलाव की आहट तेज

प्रतिभा सिन्हा

बेंगलुरु/नई दिल्ली, 27 मई। कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों ने राज्य की राजनीति को अचानक गर्मा दिया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के इस्तीफे को लेकर चल रही चचाओं के बीच दिल्ली से लेकर बेंगलुरु तक बैठकों का दौर तेज हो गया है।

हालांकि कांग्रेस नेतृत्व अब भी किसी बदलाव से इनकार कर रहा है, लेकिन पार्टी के भीतर बढ़ती सक्रियता सत्ता परिवर्तन की संभावनाओं को मजबूत करती दिख रही है।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस हाईकमान सिद्धारमैया को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका देने पर विचार कर रहा है। पार्टी उन्हें राज्यसभा भेजकर राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख ओबीसी चेहरे के रूप में स्थापित करने की रणनीति पर काम कर रही है। आगामी लोकसभा चुनावों को

मंथन

- सिद्धारमैया को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी जिम्मेदारी देने पर मंथन जारी
- डीके शिवकुमार समर्थकों ने फिर उठाई ढाई साल फॉर्मूले की मांग

देखते हुए कांग्रेस पिछड़े वर्गों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है और इसी राजनीतिक गणित के तहत कर्नाटक का नया समीकरण तैयार किया जा रहा है।

दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की लंबी बैठकों ने राजनीतिक हलचल और बढ़ा दी। पार्टी ने इन बैठकों को संगठनात्मक और राज्यसभा चुनाव से जुड़ा सामान्य विमर्श बताया, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी माना जा रहा है।

दरअसल, वर्ष 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद से ही डीके शिवकुमार समर्थक ढाई-ढाई साल मुख्यमंत्री पद के फार्मूले की चर्चा करते रहे हैं। अब सरकार का आधा कार्यकाल पूरा होने के करीब है, इसलिए शिवकुमार समर्थकों ने फिर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। कांग्रेस विधायक एचसी बालकृष्ण ने खुलकर शिवकुमार को अगला मुख्यमंत्री बनाने की मांग दोहराई है। इसी बीच सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि वह गुरुवार को दिल्ली यात्रा और आलाकमान के साथ हुई चर्चाओं पर विस्तार से बात करेंगे।

असम में यूसीसी बिल पास, विधानसभा में जोरदार हंगामा

गुवाहाटी, 27 मई। असम विधानसभा ने बुधवार को लंबी और तीखी बहस के बाद समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित कर दिया। इसके साथ ही असम यूसीसी लागू करने वाला देश का तीसरा और पूर्वोत्तर का पहला राज्य बन गया। सत्ता पक्ष ने इसे महिलाओं को समान अधिकार और सामाजिक न्याय देने की दिशा में बड़ा कदम बताया, जबकि विपक्ष ने इसे धार्मिक परंपराओं में हस्तक्षेप करार दिया।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि यह कानून सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करेगा। उन्होंने दावा किया कि यूसीसी महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को मजबूत करेगा। पूरे दिन चली चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली।

विपक्ष की महिला विधायक बेबी बेगम ने यूसीसी का विरोध करते हुए कहा कि यह समाज के लिए हानिकारक है और असम में इसकी जरूरत नहीं है। नेता प्रतिपक्ष वाजेद अली चौधरी ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देते हुए बिल का विरोध किया। वहीं विधायक अखिल गोगोई ने आरोप लगाया कि यह कानून निजी जीवन में नौकरशाही हस्तक्षेप बढ़ाएगा।

दूसरी ओर भाजपा विधायक पीयूष हजारिका ने बिल का समर्थन करते हुए कहा कि बेटियों को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार मिलना चाहिए और बहुविवाह जैसी प्रथाओं पर रोक जरूरी है।

आकांक्षा योजना में अनियमितताओं का आरोप, छात्रों का कलेक्टर ऑफिस के बाहर धरना

आदिवासी विद्यार्थियों ने कोचिंग व्यवस्था पर उठाए सवाल, बोले-भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में आकांक्षा योजना के तहत आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को दी जा रही नीट कोचिंग में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के विरोध में बुधवार को बड़ी संख्या में छात्र कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। हाथों में तख्तियां और पोस्टर लिए छात्र योजना संचालित कर रही एसेंट कोचिंग क्लास का टेंडर निरस्त करने, 24 माह की कोचिंग पूरी कराने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

धरने पर बैठे छात्रों और छात्र नेताओं ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले छह महीने से लगातार शिकायतों और आंदोलन के बावजूद अधिकारियों द्वारा सिर्फ जांच का आश्वासन देकर छात्रों को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा।

न्याय मांगने आए हैं, एहसान नहीं- छात्र नेता पवन अहिरवार ने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि आदिवासी और गरीब विद्यार्थियों के भविष्य को बचाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आकांक्षा योजना के नाम पर छात्रों को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं दी गईं। उन्होंने कहा, ह्लछात्र यहां अपनी मांगें लेकर नहीं, बल्कि न्याय मांगने आए हैं। प्रशासन जांच के नाम पर लगातार बरगला रहा है। बच्चों का भविष्य दांव पर लगा है और जिम्मेदार

अधिकारी चुप बैठे हैं।

टेबलेट नहीं मिले, सिलेबस अधूरा रह गया- धरना दे रहे छात्रों ने बताया कि योजना के तहत उन्हें टेबलेट, मॉड्यूल, स्टेशनरी और नियमित कोचिंग उपलब्ध कराई जानी थी, लेकिन इनमें से अधिकांश सुविधाएं अब तक नहीं मिलीं। छात्रों का कहना है कि उन्हें दिसंबर में बुलाया गया, जबकि गाइडलाइन के अनुसार सितंबर से कोचिंग शुरू हो जानी चाहिए थी। विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि नीट की तैयारी के नाम पर उन्हें बुलाया गया, लेकिन न तो नियमित क्लास लगीं और न ही 11वीं का सिलेबस पूरा हो पाया। कई छात्रों ने कहा कि अब तक एक भी छात्र को टेबलेट उपलब्ध नहीं कराया गया है।

छात्रों की प्रमुख मांगें- आकांक्षा योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों की 24 माह की नीट कोचिंग पूरी कराई जाए, एसेंट कोचिंग क्लास का टेंडर तत्काल निरस्त किया जाए, छात्रों द्वारा की गई शिकायतों में दर्ज बयान सार्वजनिक किए जाएं, बिना मॉड्यूल, टेबलेट और नियमित कोचिंग के बिल पास किए जाने की जांच कर जानकारी सार्वजनिक की जाए, कोचिंग संस्था, शिक्षकों और संबंधित दस्तावेजों की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाए, मामले में आरोपी बताए जा रहे मुकुल बंसल पर तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए।

प्रशासन बोला- जांच के लिए बनेगी टीम- धरना प्रदर्शन के बीच प्रशासनिक अधिकारी भी छात्रों से चर्चा करने पहुंचे। एसडीएम घनश्याम धनगर ने कहा कि छात्रों की शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है और पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि हॉस्टल, कोचिंग और अन्य व्यवस्थाओं से जुड़े बिंदुओं की जांच के लिए टीम गठित की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने छात्रों को समझाइश देने का भी प्रयास किया, हालांकि देर शाम तक छात्र धरने पर डटे रहे।

मस्जिदों और ईदगाहों में तैयारियां पूरी, गुरुवार को मनाई जाएगी ईद

जबलपुर। ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व गुरुवार, 28 मई को पूरे देश में उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर शहर की मस्जिदों और ईदगाहों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुस्लिम समाज के लोग ईद की नमाज अदा कर देश में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ करेंगे।

रानीताल ईदगाह में ईद-उल-अजहा के अवसर पर मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉ. मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी मुस्लिम समाज को संबोधित करेंगे। इसके बाद सुबह 10:30 बजे नायब मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना सूफी जियाउल हक कादरी ईद की नमाज अदा कराएंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि पर्व को शांति, सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाएं तथा साफ-सफाई और सामाजिक जिम्मेदारियों का विशेष ध्यान रखें।

समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि जबलपुर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल रहा है, जहां सभी धर्मों के लोग सौहार्द के साथ रहते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि किसी भी गतिविधि से दूसरे समुदाय की भावनाएं आहत न हों। उन्होंने मुस्लिम समाज से कुबार्नी से जुड़े फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने से बचने की भी अपील की, ताकि शहर में आपसी भाईचारा और सौहार्द बना रहे।

कुबार्नी के बाद बचने वाले अवशेषों को सार्वजनिक स्थानों या सड़कों पर न फेंका जाए। इन्हें नगर निगम की गाड़ियों या निर्धारित स्थानों पर उचित तरीके से पैक कर डाला जाए। साथ ही आम रास्तों और सार्वजनिक स्थानों पर कुबार्नी न करने की भी अपील की गई।

पैक्स घोटाला : उपार्जन में 2 प्रबंधकों ने दिखाया 10-10 लाख का घाटा

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (पैक्स) अनूपपुर में समिति के अध्यक्ष और संचालक मंडल ने समिति कैडर प्रबंधक रोहित सिंह पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं, तानाशाही रवैये और संस्था को क्षति पहुंचाने के आरोप लगा हैं। कलेक्टर और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शहडोल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को शिकायत पत्र भेजकर त्वरित कार्रवाई और उनके स्थानांतरण की मांग की गई है।

शिकायत पत्रों के अनुसार वर्ष 2024 में पैक्स अनूपपुर में समिति प्रबंधक का पद रिक्त होने के बाद नियमों को दरकिनार कर रोहित सिंह को इस पद पर भेजा गया था। आरोप है कि पदभार ग्रहण करने के बाद से ही उन्होंने संस्था के नियमों और संचालक मंडल की अवहेलना शुरू कर दी। अनूपपुर प्रबंधक पर मुख्य रूप से 428.40 किंटल, 10,14,879 रुपये (लगभग 10.15 लाख रुपये) के धान की कमी (गबन) करने और इस राशि को बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जमा न करने का बेहद गंभीर आरोप है।

वही प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (पैक्स) दुलहरा के कृषक सदस्यों ने सहकारी संस्था उप पंजीयक को एक शिकायती पत्र लिखकर गंभीर आरोप लगाए हैं कि प्रबंधक मनोज कुमार विश्वकर्मा व प्रशासक अनुज ओहदार द्वारा धान उपार्जन वर्ष 2025 26 में खरीदी उपरांत परिदान में 434.94 क्विंटल धान की कमी दिखाई गई है, जिसकी राशि 10,30,397 (दस लाख तीस हजार तीन सौ सत्तानवे रुपये) बनती है।

इस संबंध में दोनों प्रबंधकों ने योजना तैयार करते हुए 13 मार्च को न्यायालय कलेक्टर, अनूपपुर में आर्बिटेशन प्रकरण प्रस्तुत किया गया परंतु अभी तक वह प्रकरण पंजीबद्ध नहीं हुआ है। कृषकों ने कहा कि यह कृत्य संस्था को जानबूझकर वित्तीय क्षति पहुंचाने का प्रयास है जो संस्था के हित में उचित नहीं है। उन्होंने उपपंजीयक से मांग की है कि आर्बिटेशन प्रकरण लगाए जाने की प्रशासक (अध्यक्ष) की स्वीकृति नहीं ली गई और न ही पत्र एवं प्रकरण की कॉपी उपलब्ध कराई जा रही है जिससे प्रतीत होता है कि गबन से बचने के लिए कलेक्टर न्यायालय की शरण ली गई है।

18 अप्रैल को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. शहडोल ने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. अनूपपुर के समिति प्रबंधक रोहित सिंह के विरुद्ध गंभीर आर्थिक अनियमितताओं की जांच कराए जाने के निर्देश जारी किए हैं। बैंक द्वारा शाखा धनपुरी के शाखा प्रबंधक रामबहादुर द्विवेदी को भेजे गए पत्र में तीन प्रमुख आरोपों का उल्लेख किया गया है। जिसमें खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी, धान उपार्जन में कमी व धान परिवहन में अनियमितता पर जांच कर 7 दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपनी थी परंतु शाखा प्रबंधन धनपुरी के द्वारा आज तक जांच नहीं की गई।

टीव्ही विक्रय के नाम पर 2 .90 लाख हड़पे

जबलपुर। केण्ट थाना अंतर्गत राजीव गांधी नगर निवासी एक दुकान संचालक को जालसाजों ने टीव्ही विक्रय करने के नाम पर 2 लाख 90 हजार रूपए की चपत लगा दी ।पुलिस के मुताबिक सौरभ मुक्ता 36 वर्ष निवासी राजीव गांधी नगर केण्ट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी गली नम्बर 6 में टीव्ही की दुकान है। वह एसबीआई ब्रांच कटंगा आरटीजीएस से भुगतान करने बैंक गया था। उसने आरटीजीएस के माध्यम से एवर होम एप्लाईसेंस कम्पनी के डीसीबी बैंक शाखा सोनीपात हरियाणा में ऋषभ जौहार के खाता नम्बर में कुल 2 लाख 90 हजार रुपए ट्रांसफर किये एवं कम्पनी को ऋषभ जौहर के मोबाइल पर बात करके कि उसने खाते में 2 लाख 90 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिये है उसे अपना माल एलईडी टीव्ही ट्रांसपोर्ट के माध्यम से जल्दी भिजवाने के लिये कहा जो ऋषभ जौहर ने उसे माल जल्दी भिजवाने का अश्वासन दिया। लेकिन माल नहीं मिला। ऋषभ जौहर और रूपेन्द्र श्रीवास्तव दोनों के द्वारा उसके साथ एलईडी टीव्ही विक्रय की जाने की प्रवंचना कर छल पूर्वक 2 लाख 90 हजार रुपए हड़प लिए ।

रेत डंपिंग विवाद में रिटायर्ड बीएसएफ जवान ने ससुर-दामाद को मारी गोली, एक की मौत, दूसरा गंभीर

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र के पटरी रोड इलाके में बुधवार सुबह पुरानी रंजिश ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। सरकारी जमीन पर रेत डंप करने को लेकर चल रहे विवाद में बीएसएफ के रिटायर्ड जवान विष्णु दुबे और उसके साथियों ने ससुर-दामाद पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। घटना में दामाद महेंद्र उर्फ भोला गुर्जर की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि ससुर सत्यभान गुर्जर जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है।

पुलिस के मुताबिक घटना सुबह करीब 10:30 बजे की है। भोला गुर्जर अपने ससुर सत्यभान गुर्जर के साथ पटरी रोड से गुजर रहे थे, तभी बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। इससे पहले कि दोनों कुछ समझ पाते, आरोपियों ने कट्टों और पिस्तौल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करीब 15 से 20 राउंड गोलियां चलाई गईं। अचानक हुई गोलीबारी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

गोलियां लगते ही दोनों व्यक्ति सड़क पर लहूलुहान होकर गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद दोनों घायलों को तत्काल जयारोग्य अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए तत्काल उपचार शुरू किया, लेकिन अत्यधिक खून बह जाने के कारण भोला गुर्जर (26 वर्ष) ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं सत्यभान गुर्जर के शरीर में फंसी गोलियों को निकालने के लिए ऑपरेशन किया जा रहा है। उसकी हालत अब भी नाजुक बनी हुई है।

पुराने विवाद ने लिया खूनी रूप- प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच सरकारी भूमि पर रेत डंप करने को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बुधवार सुबह भी इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी और गाली-गलौज हुई थी। पुलिस का मानना है कि इसी रंजिश के चलते हमले की साजिश रची गई। पीड़ित पक्ष और स्थानीय लोगों ने मुख्य आरोपी के रूप में रिटायर्ड बीएसएफ जवान विष्णु दुबे और उसके साथियों के नाम पुलिस को बताए हैं। घटना के बाद पुलिस ने हत्या और हत्या के प्रयास सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

अस्पताल से लेकर इलाके तक तनाव- घटना के बाद मृतक भोला गुर्जर के परिजनों और गुर्जर समाज में भारी आक्रोश फैल गया। अस्पताल परिसर से लेकर महाराजपुरा पटरी रोड तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। हालात को देखते हुए पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है। क्विक रिस्पॉन्स फोर्स सहित कई थानों की पुलिस मौके पर निगरानी कर रही है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

आरोपियों की तलाश में चार टीमें गठित- एडिशनल एसपी सुमन सिंह गुर्जर ने बताया कि रेत के विवाद पर विष्णु दुबे ने अपने साथियों के साथ गोलियां चलाई हैं, इसमें भोला गुर्जर नामक युवक की मौत हो गई है जबकि सत्यभान गुर्जर अस्पताल में भर्ती है। आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया है उनकी तलाश में पुलिस पार्टियाँ रवाना की गई हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मुख्य आरोपी विष्णु दुबे और उसके साथियों की गिरफ्तारी के लिए चार विशेष टीमें बनाई गई हैं। मुरार, भिंड और मुरैना सहित संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मप्र पुलिस की प्रभावी कार्रवाई, एक सप्ताह में 80 लाख से अधिक के मादक पदार्थ जब्त

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों एवं नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभिन्न जिलों में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए विगत एक सप्ताह में 80 लाख रुपये से अधिक मूल्य के अवैध मादक पदार्थ सहित संपत्ति जब्त की हैं।

पुलिस मुख्यालय से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार, मंदसौर जिले की नारायणगढ़ पुलिस द्वारा पुलिस पर फायर कर भागने वाले अंतर्राज्यीय डोडाचूरा तस्करों के विरुद्ध बडी कार्यवाही करते हुए 252 किलोग्राम डोडाचूरा डोडाचूरा, एक देशी पिस्टल मय राउण्ड, मोबाइल फोन तथा कार सहित लगभग 20 लाख 51 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है।

वहीं थाना शामगढ़ पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज करते हुए आरोपी के खेत में संतरे के बगीचे के बीच छुपाकर लगाए गए 384 गांजा पौधे जब्त किए। एक अन्य कार्रवाई में आरोपी से 68 ग्राम एमडी ड्रग्स पाउडर एवं 05 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया गया। दोनों कार्रवाई में लगभग 2 लाख 3 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। गुना जिले में मृगवास थाना पुलिस ने राजस्थान से अफीम तस्करी कर रहे बाइक सवार दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 किलो 10 ग्राम अफीम एवं मोटरसाइकिल सहित लगभग 11 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। एक अन्य कार्रवाई में भी मृगवास थाना पुलिस ने नाकाबंदी कर 04 अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 10 किलो 157 ग्राम अवैध गांजा एवं दो मोटरसाइकिल सहित लगभग 7 लाख 20 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। इस प्रकार दोनों कार्रवाई में मृगवास थाना पुलिस ने 18 लाख 20 हजार रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

जल संकट के बीच महापौर सचिवालय धुलने का वीडियो वायरल, कांग्रेस ने साधा निशाना

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में जारी जल संकट के बीच महापौर सचिवालय की धुलाई का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो कांग्रेस द्वारा जारी किया गया, जिसके बाद इसे लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज इंडियन नेशनल कांग्रेस मध्य प्रदेश पर वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि ह्लइंदौर की जनता बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है और महापौर अपना सचिवालय पानी से धुलवा रहे हैं ह्व वीडियो में एक कर्मचारी प्रेशर पाइप से महापौर सचिवालय के बाहरी हिस्से की सफाई करता दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ लोगों ने जल संकट के बीच पानी के उपयोग पर सवाल उठाए, जबकि कुछ ने इसे सामान्य सफाई व्यवस्था बताया।

जब सचिवालय परिसर में सफाई की जा रही थी, उसी दौरान किसी व्यक्ति ने वीडियो रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया। इसे लेकर सफाई कर्मचारी और वीडियो बनाने वाले व्यक्ति के बीच बहस भी हुई। वीडियो में कर्मचारी यह पूछता सुनाई देता है कि रिकॉर्डिंग क्यों की जा रही है।

नगर निगम सूत्रों के मुताबिक, वीडियो बुधवार का ही है। सचिवालय में ड्रेनेज लाइन की सफाई के लिए टैंकर बुलाया गया था। प्रेशर पाइप से लाइन साफ करने के बाद बाहर फैली गंदगी को भी उसी पानी से धोया गया। दावा किया जा रहा है कि उपयोग किया गया पानी ट्रीटेड था।

वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कांग्रेस पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि कांग्रेस इतने हल्के स्तर की राजनीति कर रही है।

आरजीपीवी में पानी-बिजली संकट पर छात्रों का हंगामा, किया प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के एयरपोर्ट रोड स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में पानी और बिजली की समस्या को लेकर छात्रों का गुस्सा बुधवार को फूट पड़ा। चंद्रशेखर हॉस्टल के छात्रों ने विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की और गेट जाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार, शाम करीब 4 बजे बड़ी संख्या में छात्र मुख्य गेट पर जमा हो गए और धरने पर बैठ गए। छात्रों का कहना है कि वे विश्वविद्यालय प्रबंधन से चर्चा कर रहे हैं, लेकिन अब उन्हें केवल स्थायी समाधान चाहिए, अस्थायी व्यवस्था नहीं। प्रदर्शन के चलते विश्वविद्यालय परिसर में वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। कई बसें और अन्य वाहन मुख्य गेट के बाहर ही फंसे रहे और अंदर प्रवेश नहीं कर सके।

छात्रों का आरोप है कि भीषण गर्मी के बावजूद हॉस्टल में पीने के पानी तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। कई छात्र पिछले दो-तीन दिनों से नहा भी नहीं पाए हैं। इसके साथ ही लगातार बिजली कटौती की समस्या ने हालात और खराब कर दिए हैं। छात्र आर्यमन देशमुख ने बताया कि परीक्षा के दौरान भी पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। कई बार शिकायत और विरोध के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला। नाराज छात्रों ने चेतावनी दी है कि जब तक पानी और बिजली की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। छात्रों का कहना है कि वे कई दिनों से प्रशासन को समस्या से अवगत करा रहे हैं, लेकिन केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं।

बरगी डैम हादसे के बाद यात्रियों को नाविक लाईफ जैकेट कर रहे अनिवार्य

जबलपुर। बरगी बांध में हाल ही में हुई नाव दुर्घटना के बाद प्रशासन द्वारा नर्मदा तटों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी किए जाने का असर अब नाविकों में भी दिखाई देने लगा है। प्रशासन ने कुछ दिनों पहले विभिन्न घाटों पर नाव संचालन पर रोक लगा दी थी। हालांकि नाविकों ने अपनी रोजी-रोटी प्रभावित होने की बात कहते हुए प्रशासन से राहत की मांग की थी। इसके बाद प्रशासन ने सशर्त अनुमति देते हुए सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए।

निदेर्शों के अनुसार छोटी नावों में अधिकतम छह और बड़ी नावों में 15 यात्रियों को ही बैठाने की अनुमति दी गई है। साथ ही बिना लाइफ जैकेट किसी भी यात्री को नाव में बैठाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई नाविक या ठेकेदार बिना लाइफ जैकेट यात्रियों को नाव में बैठाता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी देते हुए नाव ठेकेदार किशन मल्लाह ने बताया कि उनकी निगरानी में सभी नाविक यात्रियों को लाइफ जैकेट पहनाकर ही नाव की सवारी करा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन और नगर निगम से घाटों पर साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने की मांग भी की। किशन मल्लाह ने कहा कि गर्मी के मौसम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु नर्मदा तट पर स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। कई लोग चेतावनी के बावजूद गहरे पानी में जाकर जलक्रीड़ा करते हैं, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। उन्होंने बताया कि फिलहाल घाट पर केवल दो होमगार्ड जवान तैनात हैं, जो पर्याप्त नहीं हैं। श्रद्धालुओं को रोकने-टोकने के दौरान कई बार विवाद की स्थिति भी बन जाती है।

उन्होंने प्रशासन से जिलहरी घाट और भटौली घाट पर भी निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

भाजपा ने देश को परमाणु शक्ति के साथ नई राजनीतिक दिशा दी: शिव प्रकाश

अनूपपुर। भाजपा ने केवल संगठन विस्तार ही नहीं किया, बल्कि भारत माता को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने के साथ देश की राजनीति की दिशा और दृष्टि भी बदलने का कार्य किया है। आज भारत दुनिया के सामने मजबूती के साथ खड़ा है और यह वर्षों के वैचारिक संघर्ष तथा राष्ट्रवादी सोच का परिणाम है।

यह बात मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के अमरकंटक में आयोजित में दो दिवसीय भाजपा जिला प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन बुधवार को प्रथम सत्र में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं सांसद हिमाद्री सिंह ने भी भाजपा जिला प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन कार्यकताओं को संबोधित किया। राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद देश को किस दिशा में आगे बढ़ाया जाए, इसे लेकर वैचारिक संघर्ष हुआ। एकात्म मानववाद की अवधारणा को लेकर जनसंघ का उदय हुआ

और बाद में भारतीय जनता पार्टी के रूप में संगठन ने राष्ट्र निर्माण का कार्य आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि देश विभाजन के समय हिंदू समाज को भारी पीड़ा झेलनी पड़ी, लेकिन उनकी आवाज उठाने वाला कोई नहीं था। उन्होंने कहा कि भाजपा और जनसंघ का देश की सुरक्षा को लेकर हमेशा स्पष्ट दृष्टिकोण रहा है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में एक देश में दो विधान, दो निशान का विरोध करते हुए आंदोलन किया और आज भाजपा सरकार ने धारा 370 हटाकर यह साबित कर दिया कि देश की सुरक्षा और अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की नीतियों के कारण तिब्बत चीन के कब्जे में चला गया, जिसका खतरा भारत आज भी महसूस कर रहा है। जनसंघ और भाजपा ने समय-समय पर कांग्रेस की नीतियों का विरोध करते हुए राष्ट्रहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, महिलाओं के सम्मान और भागीदारी को बढ़ाने के लिए नारी शक्ति वंदन जैसे कदम उठाए गए हैं। साथ ही जनजातीय समाज के गौरव, स्वदेशी अभियान, राष्ट्रभाषा हिंदी के सम्मान और गरीब कल्याण की योजनाओं पर व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। भाजपा ने देश की राजनीति की कार्यशैली भी बदली है। आज सत्ता को लोककल्याण का माध्यम बनाया गया है और देश की विदेश नीति में भी आत्मविश्वास दिखाई देता है। भारत अब दुनिया के सामने मजबूती से अपनी बात रखने वाला राष्ट्र बन चुका है।

मप्र सरकार का बाल विवाह रोकथाम को लेकर बड़ा फैसला ग्राम स्तर तक नियुक्त होंगे 'बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी'

बाल विवाह की रोकथाम के लिए वर्ष 2013 में 'लाडो अभियान' की शुरूआत की गई थी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने बाल विवाह पर प्रभावी रोक लगाने और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित अभियानों को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने के उद्देश्य से बड़ा निर्णय लिया है। सरकार ने पूर्व में जारी अधिसूचना को निरस्त करते हुए अब जिला से लेकर ग्राम स्तर तक विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी के रूप में अधिसूचित किया है।

यह निर्णय बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 16 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत लिया गया है। भारत सरकार के निदेर्शों के अनुपालन में नई व्यवस्था लागू की गई है, जिससे बाल विवाह की रोकथाम, निगरानी और त्वरित कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। जनसम्पर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने बुधवार को बताया कि इस नई व्यवस्था के लागू होने से अब बाल विवाह रोकने के लिए एक बेहद मजबूत और त्रि-स्तरीय से भी बड़ा प्रशासनिक तंत्र काम करेगा। जिला स्तर पर इसकी कमान जिला कलेक्टर, अपर कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संभालेंगे, जबकि अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को यह जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह तहसील स्तर पर तहसीलदार और सभी नायब तहसीलदारों को कानूनन सशक्त बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तर पर मोर्चा संभालते हुए जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के सेक्टर स्तर पर निगरानी रखने के लिए सभी राजस्व निरीक्षकों और महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव जमीनी स्तर पर करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सीधे पटवारी को और शहरी क्षेत्रों में नगर पालिक निगमों के जोनल अधिकारी, राजस्व अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारियों को इस कानून को लागू करने का जिम्मा सौंपा गया है। इसके अलावा छोटे शहरों की नगर पालिका परिषदों और नगर परिषदों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, उप राजस्व निरीक्षक और मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त किया गया। ग्राम स्तर तक प्रशासनिक जवाबदेही तय होने से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और अधिकारों को बेहतर संरक्षण मिलेगा।

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, अब अगर कहीं से भी बाल विवाह की सूचना मिलती है, तो वहां के पटवारी या सेक्टर पर्यवेक्षक कानूनी तौर पर सीधे दखल दे सकेगा और उसे रोकने के लिए अधिकृत होगा। अधिकारियों की इतनी बड़ी चेन होने से अब शादियों के सीजन में 'चाइल्ड मैरिज' पर पूरी तरह से नकेल कसी जा सकेगी। राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मध्य प्रदेश में बाल विवाह के वर्ष 2025 में 538 मामले दर्ज किए गए थे। वहीं 2020-2025 के बीच 2,916 नाबालिगों की शादी के मामले सामने आए, जिनमें 2020 में 366 की तुलना में 2025 तक 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मध्य प्रदेश में बाल विवाह की रोकथाम के लिए वर्ष 2013 में 'लाडो अभियान' की शुरूआत की गई थी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से लोगों की मानसिकता में सकारात्मक बदलाव लाकर इस कुरीति को समाप्त करना है। इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 2014 में इसे लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

भोपाल में आईपीएस अधिकारी की बेटी ने किया सुसाइड, कमरे में फंदे पर मिली 17 वर्षीय छात्रा, जांच में जुटी पुलिस

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के वीआईपी इलाके चार इमली में मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय में पदस्थ एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की 17 वर्षीय बेटी अपने घर में फंदे पर लटकी मिली। घटना मंगलवार दोपहर की बताई जा रही है, जबकि बुधवार को मामले में पुलिस जांच और फॉरेंसिक पड़ताल तेज कर दी गई। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित सरकारी आवास में हुई इस घटना के बाद परिवार गहरे सदमे में है। पुलिस के अनुसार छात्रा 11वीं कक्षा में पढ़ती थी। प्रारंभिक जांच में कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, ऐसे में मौत के पीछे की वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है। जानकारी के मुताबिक आईपीएस अधिकारी संजीव कुमार कंचन की 17 वर्षीय बेटी ने भोपाल में उनके सरकारी आवास में फांसी लगा ली। शहर में चार इमली स्थित आवास की दूसरी मंजिल पर कमरे में दुपट्टे से बने फांसी के फंदे पर उसका शव झूलता मिला। घटना के समय छात्रा घर में अकेली थी। पिता दफ्तर गए हुए थे, मां भी शासकीय कार्य से बाहर थीं, जबकि भाई घर से बाहर था। दोपहर में घरेलू कर्मचारी ने कमरे में छात्रा को दुपट्टे के फंदे से लटका देखा, जिसके बाद परिवार और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। बुधवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बता दें, मृतक नाबालिग लड़की के आईपीएस अधिकारी पिता पुलिस हेडक्वॉर्टर्स (पीएचक्यू) में असिस्टेंट इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एआईजी) पद पर पोस्टेड हैं, जबकि लड़की की मां रजिस्ट्रार गैस राहत के पद पर हैं।मामले की जांच कर रही पुलिस ने छात्रा का मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त कर लिए हैं। साइबर सेल की मदद से कॉल डिटेल, चैट हिस्ट्री और सोशल मीडिया गतिविधियों की जांच की जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि घटना से पहले वह किन लोगों के संपर्क में थी और क्या किसी तरह के मानसिक दबाव या तनाव के संकेत मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में छात्रा के दोस्तों, सहेलियों और स्कूल के साथियों से भी बातचीत की जाएगी, ताकि उसके व्यवहार में हाल के समय में आए किसी बदलाव के बारे में जानकारी मिल सके।

हबीबगंज थाने के एसएचओ संजीव चौकसे ने बताया कि छात्रा चार इमली में सरकारी बंगले में परिवार के साथ रहती थी और 11वीं कक्षा की छात्रा थी। पुलिस को परिजनों से सूचना मिली। पुलिस छात्रा के मोबाइल फोन और उसके संपर्कों की जांच कर रही है। उसने जिस कमरे में आत्महत्या की, वहां कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। छात्रा की किताबों और सामान की भी जांच की गई, लेकिन यहां भी कुछ ऐसा नहीं मिला, जिससे आत्महत्या की वजह साफ हो पाए। ऐसे में सिर्फ आत्महत्या के एंगल से हम जांच नहीं कर रहे हैं। पुलिस इस घटना को हर संभावित एंगल से देख रही है, ताकि कदम उठाने की असली वजह साफ हो सके।

मप्र : बिजली कंपनी की उपभोक्ताओं से अपील, कहा- विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव के प्रति सतर्कता बरतें

भोपाल। मध्य प्रदेश में विद्युत वितरण कंपनियों ने कतिपय प्राकृतिक और मानवीय कारणों से होने वाली विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आमजनों और उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे विद्युत लाइनों, वितरण ट्रांसफार्मरों तथा अन्य विद्युतीय उपकरणों से किसी भी प्रकार की छेड़छाड न करें तथा सजगता और सतर्कता बरतते हुए अपने दैनिक कार्यों का निर्वहन करें।

कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि आमजन अमूल्य जीवन और विद्युत सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान देते हुए पूर्व से विद्यमान विद्युतीय उपकरणों, लाइनों तथा वितरण ट्रांसफार्मरों के समीप भवन निर्माण, कालोनी के निर्माण और रोड के विस्तार के दौरान विद्युत सुरक्षा के मापदण्डों के अनुसार उचित दूरी का ध्यान रखें। विद्युत उपकरणों के साथ छेड़खानी करना या उन्हें नुकसान पहुंचाना अथवा चुराकर ले जाना कानूनी अपराध है और इसके लिए जुमार्ने और सजा का प्रावधान है। आम लोगों से अपील की गयी है कि वे इस प्रकार की घटना होने पर तत्काल इसकी सूचना नजदीकी विद्युत वितरण केन्द्र पर दें। साथ ही इस प्रकार से गैर कानूनी कार्य करने वालों को रोकने के लिए आमजन अपना सामाजिक दायित्व समझकर इस तरह की अव्यवस्थाओं पर अंकुश लगाने में कंपनी का सहयोग करें।अक्सर यह देखने में आया है कि कालोनी के विद्युतीकरण के दौरान कालोनाइजर अपनी सुविधा से बिजली के खम्बों को लगा देता है तथा सड़क विस्तार के दौरान सड़क को ऊंचा कर दिया जाता है। कई बार यह पाया जाता है कि रोड ऊंची कर ली जाती है परन्तु बिजली के खम्बों से रोड के बीच का विस्तार और दूरी को ध्यान में नहीं रखा जाता तथा सुरक्षा के नियमों को अनदेखा कर दिया जाता है। फलस्वरूप दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और कभी-कभी दुर्घटनाएं हो भी जाती है।

कंपनी ने कहा है कि भवन निर्माण और विस्तार के दौरान यदि कोई भवन निमार्ता/संस्था निर्धारित प्रावधान के अनुसार काम नहीं करता है तो संबंधित संस्थाओं अथवा व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाए। कंपनी ने अपने मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विद्युत लाइनों की पेट्रोलिंग कराते समय यदि कहीं रोड, भवन, स्ट्रक्चर का निर्माण नियम विरूद्ध होता हुआ पाया जाता है तो संबंधित उपभोक्ता, एजेन्सी और भवन स्वामी को विद्युत अधिनियम 2003 के अनुसार सुरक्षित अंतराल रखने के लिये रजिस्टर्ड नोटिस जारी करें तथा नोटिस की अवधि के दौरान सुरक्षित अंतराल बनाये रखने के लिये कार्यवाही नहीं किये जाने पर उसके विरूद्ध वैधानिक प्रक्रिया के अनुसार त्वरित कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।

3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण 3 जून से

भोपाल। मध्य प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) भोपाल द्वारा 3 से 5 जून 2026 तक 'भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों से 60 प्राध्यापकों का चयन किया गया है। संस्धान द्वारा बुधवार को जानकारी दी गई कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल सिद्धांतों, सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन शिक्षा पद्धति और समकालीन शिक्षा में इसकी उपयोगिता से विद्यार्थियों का परिचय कराना है। प्रशिक्षण के माध्यम से प्राध्यापकों को भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयामों से परिचित कराया जाएगा, जिससे वे शिक्षण कार्य में इन अवधारणाओं को प्रभावी रूप से शामिल कर सकें।

बढ़ती उम्र में निरोगी रहने के लिए योग बेहद जरूरी : प्रताप राव

खजुराहो में 800 लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

भोपाल/छतरपुर। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव ने कहा कि बढ़ती उम्र में निरोगी रहने के लिए योग बेहद जरूरी है। नियमित योगाभ्यास हमारे शरीर को फिट रखता है। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले की पर्यटन नगरी खजुराहो के पश्चिमी मंदिर समूह परिसर में बुधवार सुबह अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के '25वें काउंटडाउन महोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में करीब 800 लोगों ने एक साथ सामूहिक योगाभ्यास किया, जो सुबह 7:50 बजे तक चला। केंद्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव ने किया, जबकि सूबे के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस आयोजन से वर्चुअली जुड़े।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव ने बताया कि इस

वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम योगा फॉर हेल्दी एजिंग यानि 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' तय की गई है। कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की विशेष 'योगा टी-शर्ट' को भव्य रूप से लॉन्च किया गया। इस वर्ष की यह विशेष डिजाइनर टी-शर्ट योग के महत्वपूर्ण अंग 'सूर्य नमस्कार' को बेहद खूबसूरत 'ट्राइबल मोटिफ' में प्रदर्शित करती है, जिसके माध्यम से समृद्ध जनजातीय कला और संस्कृति को वैश्विक मंच पर सेलिब्रेट किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री जाधव ने कहा कि हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है कि भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास परिसंघ (ट्राइफेड) के माध्यम से जुड़े हमारे जनजातीय भाई-बहन पूरे समर्पण और उत्साह के साथ इन टी-शर्ट्स का निर्माण कर रहे हैं। यह अनूठी पहल 'वोकल फॉर लोकल' और 'समग्र स्वास्थ्य' का एक अद्भुत संगम है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम योग, स्वास्थ्य और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस दौरान आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव मोनालिसा दास ने तनावमुक्त जीवन के लिए योग को अपनाने पर जोर दिया और आगामी 14 जून को होने वाले 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' के प्रयास में देशवासियों से बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। क्षेत्रीय सांसद वी.डी. शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को मिली वैश्विक पहचान पर गर्व जताया। साथ ही, उन्होंने खजुराहो को 50 बेड वाले 'आयुष वेलनेस सेंटर' की सौगात मिलने पर केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर 'योग पार्क पोर्टल' का भी अनावरण किया गया। इस दौरान प्रदेश के संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र लोधी, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, विधायक अरविंद पटेरिया और विधायक ललिता यादव सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

भोपाल के करोंद में भीषण आग, एसी में हुआ जोरदार ब्लास्ट, मिनटों में घर जलकर खाक

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के करोंद इलाके में मंगलवार देर रात एक घर में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित कोरल कासा बंगलो के एक मकान में अचानक आग भड़क उठी। आग लगने के कुछ ही देर बाद एयर कंडिशनर (एसी) में जोरदार ब्लास्ट हुआ, जिससे लपटें तेजी से पूरे घर में फैल गईं। घटना में घर का लगभग पूरा गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। हालांकि समय रहते परिवार के सदस्य बाहर निकल आए, जिससे बड़ा हादसा टल गया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रात करीब 10 बजे घर से धुआं उठता दिखाई दिया।

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। इसी दौरान एसी में तेज धमाका हुआ, जिसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घर में मौजूद परिवार ने हालात बिगड़ते देख तुरंत बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। फायर फाइटर पंकज यादव और उनकी टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय पार्षद लकी राय और कॉलोनी के रहवासियों ने भी आग बुझाने में मदद की। रहवासियों ने पानी और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए, जिससे आग को आसपास के मकानों तक फैलने से रोका जा सका।आग इतनी भीषण थी कि घर के अंदर रखा फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कपड़े और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह जल गया। आग की चपेट में आने से मकान के कई हिस्सों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।फायर ब्रिगेड की प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार बिजली से जुड़े हिस्से में स्पार्किंग के बाद आग लगी, जो एसी ब्लास्ट के कारण तेजी से फैल गई। फायर फाइटर पंकज यादव ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार को सामान निकालने का मौका तक नहीं मिला।

दमकल टीम ने समय रहते आग पर काबू पाकर आसपास के घरों को भी सुरक्षित किया। एहतियात के तौर पर कुछ समय के लिए इलाके की बिजली सप्लाई भी बंद रखी गई।

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर जारी, आज भी तीव्र लू का रेड अलर्ट, 28 मई से तीन दिन बारिश के आसार

भोपाल। मध्य प्रदेश में नौतपा के शुरूआती दो दिन गर्मी के साथ आंधी और बारिश का असर देखने को मिला। मौसम विभाग का कहना है कि 28 मई से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में लगातार तीन दिन तक बारिश, आंधी और गरज-चमक का दौर शुरू हो सकता है। इसे प्री-मानसून गतिविधियों की शुरूआत माना जा रहा है। 10 से 16 जून के बीच मानसून प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। वहीं बीते बुधवार को निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा जिलों में तीव्र लू का रेड अलर्ट जारी किया गया है। टीकमगढ़ में रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज होने की संभावना है। वहीं ग्वालियर और जबलपुर में तीव्र लू का असर रहेगा, जबकि भोपाल में भी हीटवेव चल सकती है। बीते मंगलवार को प्रदेश के 16 शहरों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया। छतरपुर जिले के खजुराहो और नौगांव सबसे गर्म रहे। खजुराहो में तापमान 46.4 डिग्री और नौगांव में 45.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा दतिया में 45.2 डिग्री, दमोह, सतना और टीकमगढ़ में 45 डिग्री, रीवा में 44.8 डिग्री, राजगढ़ में 44.6 डिग्री, श्योपुर में 44.4 डिग्री और गुना में 44.3 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। नरसिंहपुर में 44.2 डिग्री, जबकि सागर, मंडला, मुरैना और रायसेन में तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया। प्रदेश के प्रमुख शहरों में ग्वालियर सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 44.1 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 43.2 डिग्री, जबलपुर में 43.9 डिग्री, उज्जैन में 42 डिग्री और इंदौर में 41.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में रेड अलर्ट, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, मैहर, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, मंडला, बालाघाट, छिंदवाड़ा, आगर-मालवा और राजगढ़ में ऑरेंज अलर्ट और भोपाल, उज्जैन, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, देवास, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, पांढुर्णा, डिंडौरी और अनूपपुर में येलो अलर्ट जारी किया है।

भाजपा कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत : शुक्ला

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के मंत्री राकेश शुक्ला ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचकर प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकताओं एवं आमजन से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकताओं की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान कराया। संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकताओं ने क्षेत्रीय समस्याओं, जनहित से जुड़े मुद्दों और विभागीय कार्यों में आ रही परेशानियों से मंत्री शुक्ला को अवगत कराया। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर कई मामलों के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। वहीं जिन समस्याओं का मौके पर समाधान संभव नहीं हो सका, उन्हें संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए भेजा गया।मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनकी समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकताओं को भरोसा दिलाया कि जनता से जुड़े हर मुद्दे पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान मंत्री शुक्ला ने कार्यकताओं से संगठनात्मक गतिविधियों, क्षेत्रीय विकास और जनसंपर्क अभियानों को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार और संगठन मिलकर जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं।

मप्र के रतलाम में मसीही सम्मेलन में हंगामा हिंदू संगठनों ने लगाए धर्मांतरण के आरोप

भोपाल। मध्य प्रदेश के रतलाम शहर के होटल अजंता पैलेस में चल रहे मसीही आध्यात्मिक सम्मेलन 'जीवन दर्शन' में बुधवार दोपहर हंगामा हो गया। हिंदू संगठन बजरंग दल के कार्यकताओं ने मौके पर पहुंचकर धर्मांतरण के आरोप लगाए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभाला और हॉल का गेट बंद कराकर स्थिति को नियंत्रित किया। जानकारी के अनुसार यूनाइटेड क्रिश्चियन काउंसिल रतलाम और रतलाम पास्टर्स फेलोशिप द्वारा द्वारा 26 और 27 मई को अजंता पैलेस में इस आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन में दूसरे दिन बुधवार को दोपहर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकताओं ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और आयोजकों पर हिंदू समाज के लोगों को बुलाकर धर्मांतरण कराने का गंभीर आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पर सीएसपी अजय सारवान भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। इसी बीच बजरंग दल के पदाधिकारी सम्मेलन हॉल के बाहर परिसर में धरने पर बैठ गए और विरोध जताते हुए उन्होंने वहीं हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। तनाव को देखते हुए पुलिस ने हॉल के मुख्य गेट को अपने कब्जे में लेकर पहरा लगा दिया है। फिलहाल किसी भी व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।आयोजन के बैनरों और आमंत्रण पत्रों पर स्पष्ट रूप से लिखा हुआ था कि यह कार्यक्रम केवल मसीही विश्वासियों (ईसाई समुदाय) के लिए है। बजरंग दल और विहिप के पदाधिकारियों का आरोप है कि जब कार्यक्रम केवल ईसाई समाज के लिए आरक्षित था, तो इसके बावजूद अंदर भारी संख्या में हिंदू समाज के लोग शामिल थे। इसी बात को लेकर कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए और उन्होंने होटल परिसर में पहुंचकर नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे के दौरान आयोजन समिति के सदस्यों और प्रदर्शनकारी कार्यकताओं के बीच तीखी बहस हुई। मसीही समाज के लोगों ने नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए।

वहीं बजरंगदल कार्यकताओं ने जय श्री राम के नारे हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। माहौल गरमाता देख पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया। पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से हॉल का मुख्य दरवाजा बंद कर दिया। इस दौरान बाहर खड़े दक्षिणपंथी संगठनों के कार्यकताओं ने पुलिस प्रशासन से आयोजन को तुरंत बंद कराने और कथित धर्मांतरण के प्रयास को लेकर आयोजकों के खिलाफ सख्त धाराओं में प्रकरण दर्ज करने की मांग की।

उच्च शिक्षा विभाग की ई-प्रवेश प्रक्रिया में विद्यार्थियों में उत्साह

भोपाल। मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया 2026-27 अंतर्गत प्रथम चरण में विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक पंजीयन एवं प्रवेश प्रक्रिया में सहभागिता की जा रही है। अभी तक स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में कुल 2,78,742 पंजीयन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 2,10,460 आवेदनों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। जनसम्पर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण में अब तक कुल 87 हजार 687 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जिनमें स्नातक स्तर पर 70 हजार 752 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 16 हजार 935 विद्यार्थियों ने प्रवेश सुनिश्चित किया है। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, एनसीटीई पाठ्यक्रमों के लिये प्रथम चरण के पंजीयन की अंतिम तिथि 30 मई 2026 निर्धारित है तथा आवंटन सूची 10 जून 2026 को जारी की जाएगी। सामान्य पाठ्यक्रमों में द्वितीय चरण के लिये पंजीयन की अंतिम तिथि 3 जून 2026 है एवं सीट आवंटन सूची 7 जून 2026 को जारी होगी। उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा में ऑनलाइन पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन एवं शुल्क भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण करें।

पीएम सूर्य घर योजना में 39 हजार 975 उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची 311 करोड़ से अधिक की सब्सिडी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्रान्तर्गत आने 16 जिलों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत अब तक कुल 39 हजार 975 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं। इनके खातों में 311 करोड़ 64 लाख से अधिक की राशि सब्सिडी के रूप में जमा कराई जा चुकी है।

जनसम्पर्क अधिकारी राजेश पाण्डेय ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना में एक किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रुपये, दो किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपये तथा तीन किलोवॉट या उससे अधिक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपये की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। कंपनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन उपरांत विद्युत वितरण कंपनी में रजिस्टर्ड अधिकृत वेंडर से ही सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाएं। पीएम सूर्यघर योजना का शुभारंभ 13 फरवरी 2024 को हुआ था। योजना में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। जिसके लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट अथवा उपाय ऐप, वॉट्स ऐप चेटबॉट व टोल फ्री नं, 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

मप्र अब तक कुल 13.36 लाख किसानों से 103 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित कर देश में सबसे आगे

सीमांत एवं लघु कृषकों से हुआ 32 .14 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन

भोपाल। मध्य प्रदेश न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अब तक 13 लाख 36 हजार किसानों से गेहूं का उपार्जन कर देश में अव्वल है। अब तक 103 लाख 48 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन हो चुका है। इसमें से 8 लाख 9 हजार 990 सीमांत एवं लघु कृषकों से 32 लाख 14 हजार मीट्रिक टन गेहूँ खरीदी की गई है।

प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बुधवार को बताया कि कोविड-19 की अवधि को छोड़कर विगत 10 वर्षों में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर गेहूं का सर्वाधिक उपार्जन किया गया है। गेहूं का उपार्जन अभी भी जारी है। खाद्य मंत्री राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन लक्ष्य को केन्द्र सरकार द्वारा 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में 100 लाख मीट्रिक टन निर्धारित लक्ष्य से अधिक गेहूँ का उपार्जन हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में हो रहे गेहूँ उपार्जन की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है। उन्होंने

स्वयं खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर तौल व्यवस्था, बारदाने की उपलब्धता और खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिये उपलब्ध जरूरी सुविधाओं का आकस्मिक निरीक्षण भी किया। साथ ही किसानों से संवाद कर उपार्जित गेहूँ के भुगतान आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने किसानों के हित में जिन किसानों ने स्लाट बुक करा लिये हैं, उनके गेहूं उपार्जन की अवधि 23 मई से बढ़ाकर 28 मई तक कर दी है। खाद्य मंत्री ने बताया कि किसानों को अब तक उपार्जित गेहूं का 22,842.9 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल काटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल काटों में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिया गया। किसानों की सुविधा के लिये तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक किया गया। देयक जारी करने का समय भी रात 12 बजे तक कर दिया गया है। गेहूं का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन तक किया जा रहा है। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिये पीने का पानी, बैठने के छायांदार स्थान और जन-सुविधाओं की व्यवस्थाएं की गई हैं। किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं के भंडारण की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि किसानों को उपज की तौल समय पर हो सके, इसके लिये उपार्जन केन्द्रों में बारदाने, तौल काटें, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ-सफाई के लिये पंखा एवं छन्ना आदि की समुचित व्यवस्थाएं की गई।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
श्रम ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार
गुरूवार, 28 मई 2026
विक्रम संवत्- 2083, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, द्वादशी

'एसआईआर' जायज प्रक्रिया!

सुप्रीम कोर्ट द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनाव आयोग का वैध और संवैधानिक अधिकार बताते हुए दिए गए फैसले ने चुनावी प्रक्रिया की शुचिता पर एक बड़ा और सकारात्मक संदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि 'एसआईआर' सामान्य पुनरीक्षण से भिन्न प्रक्रिया होने के बावजूद अवैध नहीं है। यह फैसला अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग की व्यापक शक्तियों को पुनः स्थापित करता है, जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय चुनाव सुनिश्चित करने की आयोग की मूल जिम्मेदारी है। संविधान निर्माताओं ने चुनाव आयोग को मतदाता सूचियों की तैयारी, संशोधन और शुद्धि का पूर्ण अधिकार दिया था। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम 1960 भी इस शक्ति को मान्यता देते हैं। वर्षों से मतदाता सूचियों में मृत व्यक्तियों के नाम बने रहना, डुप्लिकेट एंट्री, प्रवासन के कारण गुम नाम और संभावित अवैध नामों की समस्या बढ़ती गई। बिहार समेत कई राज्यों में 'एसआईआर' के माध्यम से आयोग ने घर-घर सत्यापन, फॉर्म जमा करने और दस्तावेजी सत्यापन की प्रक्रिया अपनाई। सुप्रीम कोर्ट ने इसे लोकतंत्र के लिए आवश्यक बताया, क्योंकि शुद्ध मतदाता सूची के बिना वयस्क मताधिकार का सिद्धांत ही अर्थहीन हो जाता है। विपक्षी दलों और कुछ याचिकाकर्ताओं ने 'एसआईआर' को वैध मतदाताओं, विशेषकर गरीब, अल्पसंख्यक और प्रवासी आबादी का नाम काटने का हथियार बताया। लाखों नाम हटाए जाने की खबरों ने विवाद खड़ा किया। लेकिन अदालत ने साफ किया कि 'एसआईआर' नागरिकता निर्धारण नहीं, बल्कि मतदाता पात्रता की जांच है। आयोग को संदिग्ध मामलों में सत्यापन का अधिकार है, परंतु यह मनमाना नहीं हो सकता। अदालत ने पारदर्शिता, पूर्व नोटिस, अपील का अधिकार और आधार जैसी दस्तावेजों को स्वीकार करने के निर्देश देकर संतुलन बनाया। कोर्ट ने कहा कि प्रक्रिया में कुछ कमियां हो सकती हैं, लेकिन पूरी कवायद को असंवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता। यह फैसला याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा संस्थागत स्वायत्तता से होती है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है। यदि इसे मतदाता सूचियों की शुद्धि का अधिकार नहीं होगा, तो फिर किस पर भरोसा किया जाए? राजनीतिक दलों को अक्सर सूचियों की खराब स्थिति पर आपत्ति होती रही है। जब आयोग सुधार करता है, तो विरोध स्वाभाविक है, परंतु इसे राजनीतिक रंग न दिया जाए। 'एसआईआर' से मृत, दोहरे और अयोग्य नाम हट रहे हैं, साथ ही युवा और योग्य मतदाताओं को जोड़ा भी जा रहा है। यह प्रक्रिया दीर्घकालिक रूप से चुनावी विश्वास बढ़ाएगी। हालांकि, आयोग और सरकार को कुछ चुनौतियों का सामना करना होगा। ग्रामीण, गरीब और दस्तावेजहीन नागरिकों को परेशानी न हो, इसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान, विशेष शिविर और सहायता केंद्र चलाने चाहिए। अपीलों का त्वरित निपटारा हो, ऑनलाइन पोर्टल पूरी तरह कार्यशील रहें और कोई भी नाम बिना उचित सुनवाई के न कटे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इसी दिशा में हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला मात्र कानूनी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्पुष्टि है। यह कहता है कि शुद्धि का अधिकार संस्था का है, पर उसका प्रयोग निष्पक्ष और पारदर्शी होना चाहिए। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मतदाता सूचियों की विश्वसनीयता चुनावी नैतिकता की आधारशिला है। 'एसआईआर' को सफल बनाने में सभी राजनीतिक दल, नागरिक समाज और मीडिया को सहयोग करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने जोर दिया कि 'एसआईआर' संविधान और कानून के अनुरूप है। यह फैसला चुनाव आयोग को मजबूती देता है और नागरिकों को याद दिलाता है कि उनका वोट पवित्र है। इसे सही मतदाताओं तक ही सीमित रखना हर संस्था का दायित्व है। स्वस्थ लोकतंत्र तभी संभव है जब हमारी मतदाता सूचियां सजीव, शुद्ध और समावेशी हों।

क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

ललित गर्ग

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।

शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है।

शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं।

डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है।

आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ है। देश में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गई। उच्च शिक्षा और उच्च चिकित्सा के नए केंद्र विकसित हुए हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए गए।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि पूरा परिदृश्य केवल निराशाजनक है। पिछले वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं।

विशेष रूप से जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई, तब इन क्षेत्रों की संरचनात्मक कमियों की ओर अपेक्षाकृत गंभीर ध्यान दिया गया।

चिकित्सा क्षेत्र में आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। जिला स्तर तक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में भी पहल हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और स्थानीय भाषाओं में अध्ययन पर बल दिया गया। लेकिन भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश में ये प्रयास अभी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते।

जिस गति से जनसंख्या बढ़ी है, उस अनुपात में सरकारी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार नहीं हो पाया। यही कारण है कि निजी क्षेत्र ने उस खाली स्थान को भर दिया और धीरे-धीरे प्रमुख भूमिका में आ गया।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दुनिया की आधी आबादी जल संकट का शिकार

बाल मुकुंद ओझा

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में बताया गया कि दुनिया में आधी आबादी यानी करीब 4 अरब लोग जल संकट से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दुनिया के 100 सबसे बड़े शहरों में आधे शहरों को गंभीर पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इनमें दिल्ली, बीजिंग, न्यूयॉर्क और रियो जैसे बड़े शहर शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, नदियां और झीलें सिकुड़ रही हैं, भूमिगत जल स्तर गिर रहा है और वाटरलैंड सूख रही हैं। जमीन धंस रही है सिंकहोल बन रहे हैं और रेगिस्तान फैल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र शोधकर्ताओं के मुताबिक पिछले कई दशकों के दौरान सिमटते भूजल स्त्रोतों, अत्यधिक दोहन, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से, दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालिएपन' की स्थिति में कदम रख चुकी है। गर्मी और पानी का चोली दामन का साथ है। भारत की बात करे तो इस समय गर्मी अपने चरम पर है और देशभर में पानी के लिए त्राहि त्राहि मची हुई है। देश की राजधानी दिल्ली सहित विभिन्न प्रदेशों से मिल रही खबरे बेहद चिंताजनक है।

अनेक स्थानों पर पानी की किल्लत से परेशान लोग आंदोलन कर रहे है। केंद्रीय जल आयोग की एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत में इस समय कुल 63.232 अरब घन मीटर पानी उपलब्ध है, जो सामान्य भंडारण से लगभग 24 प्रतिशत अधिक है, लेकिन 30 अप्रैल 2026 तक देश के 166 जलाशयों में कुल 71.082 अरब घन मीटर (बीसीएम) पानी बचा था, जो उनकी कुल क्षमता का 38.72 प्रतिशत था। अब 14 मई की रिपोर्ट में यह घटकर 63.232 बीसीएम रह गया है, यानी केवल 34.45 प्रतिशत। महज दो हफ्तों में करीब 8 बीसीएम पानी कम हो गया।

केंद्रीय जल आयोग का कहना है कि मौजूदा जल भंडारण पिछले वर्ष और 10 साल के औसत से अभी भी बेहतर है, लेकिन लगातार गिरता स्तर यह संकेत दे रहा है कि गर्मी बढ़ने और मानसून आने में देरी होने पर कई राज्यों में पेयजल, सिंचाई और जलविद्युत उत्पादन पर गंभीर दबाव पड़ सकता है।

मई के अंत तक हालात और कठिन हो सकते हैं, खासकर उन राज्यों में जहां जलाशय पहले ही आधे से नीचे पहुंच चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। कई राज्य हैं जो भूजल की कमी के चरम बिंदु को पार कर चुके हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में 2026 तक गंभीर रूप से भूजल संकट गहरा सकता है। जल के बिना मानव जिन्दा नहीं रह सकता। क्योंकि मानव शरीर का एक बड़ा हिस्सा जल होता है। यह सब मानव को मालूम होते हुए भी जल को बिना सोचे-विचारे हमारे जल-स्त्रोतों में ऐसे पदार्थ मिला रहा है जिसके मिलने से जल प्रदूषित हो रहा है।

जल हमें नदी, तालाब, कुएँ, झील आदि से प्राप्त हो रहा है। जल की उपलब्धता को लेकर वर्तमान में भारत ही नहीं अपितु समूचा विश्व चिन्तित है। जल ही जीवन है। जल के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है। जनसंख्या में तेजी हो रही वृद्धि, शहरीकरण, औद्योगीकरण, जलवायु परिवर्तन और अकुशल जल प्रबंधन प्रथाओं जैसे कारकों के संयोजन की वजह से पानी की कमी की व्यापक समस्या पैदा होती जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि? आने वाले समय में पानी की कमी के गंभीर और दूरगामी पर?णाम हो सकते हैं।

भूजल की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिये भूजल का स्तर और न गिरे इस दिशा में काम किए जाने के अलावा उचित उपायों से भूजल संवर्धन की व्यवस्था हमें करनी होगी। पानी की कमी के चलते निरन्तर खोदे जा रहे गहरे कुओं और ट्यूबवेलों द्वारा भूमिगत जल का अन्धाधुन्ध दोहन होने से भूजल का स्तर निरन्तर घटता जा रहा है। देश में जल संकट का एक बड़ा कारण यह है कि जैसे-जैसे सिंचित भूमि का क्षेत्रफल बढ़ता गया वैसे-वैसे भूगर्भ के जल के स्तर में गिरावट आई है।

भूजल दोहन के अंधाधुंध दुरुपयोग को यदि समय रहते रोका नहीं गया, तो आने वाली पीढियों को इसके भयानक परिणाम भुगतने होंगे। सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

बेटा बंगाल का ये काम करेगा !

दुनिया कहती है बड़ा नाम करेगा ।
बेटा बंगाल का ये काम करेगा ।।
सबने ये देखा, सबने ये माना ।
कि मेरी मंजिल है कहां ।।

एक एक करके ।
सबको भगाना ।।
अब हर घुसपैठिए को ।
होगा जाना....

ना अब विकल्प है ।
रुकना मना है ।।
कैसे भी करके ।
होगा जाना....
बंदा ये खूबसूरत काम करेगा ।
अपने बंगाल का ये नाम करेगा....

कृष्णेन्द्र राय

सूडोकु नवताल- 7808

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7807 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

कॉकरोच जनता पार्टी उदय एवं संभावनाएं

भाग-1

डॉ विनय कुमार मल्होत्रा

भारतीय राजनीतिक पटल पर केवल दो सप्ताह में ही किसी व्यंगात्मक राजनीतिक दल ने इतनी ख्याति प्राप्त कर ली हो और देश में तहलका मचा दिया हो, यह पहली बार हुआ है। 15 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जाली डिग्रियां हासिल करने वाले वकीलों से संबंधित एक टिप्पणी करते हुए ऐसे लोगों को व्यवस्था के कीड़े या कॉकरोच कहकर निंदा की।

उनके कॉकरोच शब्द को पकड़ कर कुछ बेरोजगार युवकों ने न केवल देश की राजनीतिक व्यवस्था के विरुद्ध एक अभियान ही चलाया अपित कॉकरोच जनता पार्टी के नाम से सोशल मीडिया पर एक नए दल का निर्माण किया जो बहुत जल्दी प्रसिद्धि प्राप्त कर गया। बेशक यह दल वैधानिक या मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी नहीं है फिर भी सोशल मीडिया पर बहुत लोकप्रिय हो रही है और देश के राजनीतिक नेताओं के आगे एक नई चुनौती बन गई है। क्या यह भारत में भी जेन-जी (Gen-Z) का उभरता विद्रोह तो नहीं? इस लेख का उद्देश्य कॉकरोच जनता पार्टी का उदय कैसे हुआ, देश की राजनीतिक व्यवस्था पर इसका प्रभाव, कानूनी विवाद तथा इसकी संभावनाओं पर प्रकाश डालना है।

उदयः 'कॉकरोच जनता पार्टी' या CJP (Cockroach Janta Party) भारत में हाल ही में सोशल मीडिया पर उभरा एक व्यंग्यात्मक (satirical) और डिजिटल राजनीतिक आंदोलन है। यह अभी तक भारत निर्वाचन आयोग में पंजीकृत मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टी नहीं मानी जाती, बल्कि बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, युवाओं की निराशा और व्यवस्था-विरोधी भावनाओं को इंटरनेट मीम्स और व्यंग्य के माध्यम से व्यक्त करने वाला अभियान माना जा रहा है।

इस आंदोलन की शुरूआत 16 मई 2026 को हुई। कई समाचार रिपोर्टों के अनुसार इसकी प्रेरणा उस विवाद से जुड़ी थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी के बाद कुछ युवाओं ने 'कॉकरोच' शब्द को ही प्रतीक बनाकर विरोध और व्यंग्य शुरू किया। बाद में सोशल मीडिया पर 'Main Bhi Cockroach' जैसे नारे वायरल हो गए। 16 मई 2026 को इस पार्टी की शुरूआत 30 वर्षीय युवक अभिजीत दीपके ने की जिसने पुणे से पत्रकारिता में डिग्री हासिल की और अब वह 2023 से बोस्टन यूनिवर्सिटी, अमेरिका में पब्लिक रिलेशंस में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा है। 2020 से 23 तक इस युवक ने एक स्वयंसेवक के रूप में आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी।

इससे जुड़े प्रमुख बिंदु : यह आंदोलन खुद को 'बेरोजगार और उपेक्षित युवाओं की आवाज' बताता है। सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम (Instagram) और X (ट्विटर), पर इसे बहुत तेज लोकप्रियता मिली। कुछ रिपोर्टों में लाखोंझकरोड़ों फॉलोअर्स का दावा किया गया। इस आंदोलन की वेबसाइट भी बनाई गई है, जहाँ "Voice of the Unemployed" और "Zero Sponsors" जैसे नारे दिए गए हैं।

इसके समर्थक इसे युवाओं के गुस्से और राजनीतिक व्यंग्य का नया रूप मानते हैं, जबकि आलोचक इसे अराजक, भ्रामक, पानी का बुलबुला, राजनीतिक एजेंडा वाला अभियान बताते हैं। ध्यान रहे की अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह वास्तव में चुनाव लड़ने वाली औपचारिक राजनीतिक पार्टी बनेगी या केवल सोशल मीडिया आधारित आंदोलन एवं व्यंगात्मक अभियान रहेगा। इसके बारे में कई दावे और अफवाहें भी चल रही हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि हर मामले में उपलब्ध नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो 'कॉकरोच जनता पार्टी' फिलहाल भारत के युवाओं के असंतोष, बेरोजगारी और व्यवस्था-विरोधी भावना का एक वायरल इंटरनेट-आधारित राजनीतिक व्यंग्य आंदोलन है, जिसने कुछ ही दिनों में व्यापक चर्चा पैदा कर दी है। हाल में इसके अकाउंट पर भारत में प्रतिबंध/ब्लॉक की खबरें भी आईं।

संजय दुबे अवमानना संबंधी याचिका केस : 15 मई 2026 को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जिस मामले की सुनवाई के दौरान 'कॉकरोच' जैसी टिप्पणी की थी, वह मुख्यतः फर्जी कानून (Law) डिग्री लेकर वकालत करने वालों तथा वरिष्ठ अधिवक्ता (Senior Advocate) पदनाम से जुड़े विवाद से संबंधित मामला था।

मामला क्या था? सुप्रीम कोर्ट में वकील संजय दुबे द्वारा बार-बार सीनियर एडवोकेट पद पाने की कोशिश पर सुनवाई हो रही थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि कानूनी पेशे में 'फर्जी और bogus डिग्री' वाले लोग भी घुस आए हैं।

इसी संदर्भ में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि कुछ लोग रोजगार न मिलने पर सोशल मीडिया, RTI activism आदि के माध्यम से 'सिस्टम पर हमला' करते हैं और उन्होंने 'youngsters like cock-roaches' जैसी उपमा दी। बाद में विवाद क्यों हुआ? मीडिया और सोशल मीडिया में यह धारणा बनी कि उन्होंने बेरोजगार युवाओं को 'कॉकरोच' कहा है। इसके बाद काफी आलोचना हुई। तब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्टीकरण जारी किया किः उनकी टिप्पणी पूरे भारतीय युवाओं के लिए नहीं थी। वे विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना कर रहे थे जो 'जाली और नकली डिग्रियां' लेकर वकालत और अन्य पेशों में प्रवेश कर रहे हैं।

भारतीय राजनीति पर प्रभावः इस नई पार्टी ने भारतीय राजनीतिक व्यवस्था और विशेष रूप से सत्तादारी दल के आगे नई चुनौती पैदा कर दी है। इसकी सोशल मीडिया पर बढ़नी लोकप्रियता सत्ताधारी नेताओं के लिए एक चिंता का विषय है।

चिंता का विषय इसलिए भी है कि कहीं यह पार्टी बांग्लादेश, नेपाल और लद्दाख की तरह जेन-जी (Gen-Z) की आहट तो नहीं है। सरकार तथा नेता इसकी उत्पत्ति के पीछे ऐसी विदेशी ताकतों और एजेंसियों का हाथ भी बता रहे हैं जो भारत की प्रगति से जलते हैं और भारत को ऊंचा उठता नहीं देख सकते। क्या वाकई यह विदेशी एजेंसियो का काम है या भारत के कुछ विरोधी दल जो अभी दिल्ली तथा पश्चिम बंगाल में हार गये हैं उन द्वारा छेड़ा गया एक नया विरोध एवं विद्रोह है। यह आगे समय स्पष्ट कर देगा और सरकारी खुफिया एजेंसी भी इसकी वास्तविकता को पता करने में लगी होंगी। इस अभियान के असर को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री ने 23 मई को 19वें रोजगार मेले में 51 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियों के जॉब लेटर दिए ताकि बेरोजगार युवाओं को साबित हो जाए कि सरकार उनके बारे में चिंतित है। 23 मई को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी कुछ शरारती लोगों का हथकंडा है, इसके बारे में चिंता करने की कोई विशेष बात नहीं है। सोशल मीडिया पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम से जो व्यंग्यात्मक अभियान चल रहा है, इस पर अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर हुई। (इस याचिका की चर्चा हम लेख के भाग-2 में करेंगे।)

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आज का राशिफल

मेष- बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

वृष- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

मिथुन- यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

सिंह- परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

कन्या- अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है।

तुला- मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक- दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे।

धनु- घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे।

मकर- प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

कुंभ- कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा।

मीन- आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

पं0 सुभाष पाण्डेयः हस्तरेखा विशेषज्ञ, मो. 8808052918

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संगठन, योग और समाजसेवा के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा : विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज बुधवार को राजधानी रायपुर के कबीर नगर स्थित छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष, संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व संभागीय संगठन मंत्री स्वर्गीय रूपनारायण सिन्हा के निवास पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा अंतिम दर्शन किए। मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और इस दुःख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय रूपनारायण सिन्हा का स्नेह, सरलता, संगठन क्षमता और समाज के प्रति समर्पण सदैव स्मृतियों में जीवंत रहेगा। उन्होंने संगठन, जनसेवा, योग तथा भारतीय संस्कृति के संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान दिया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका निधन भाजपा परिवार, संगठन और पूरे प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री साय ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों, शुभचिंतकों और समर्थकों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति दें। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व संगठन प्रदेश महामंत्री राम प्रताप सिंह, विधायक पुरंदर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

बागतराई रोड ट्रेंचिंग ग्राउंड का आयुक्त व सभापति ने किया निरीक्षण

धमतरी। नगर पालिक निगम क्षेत्र के सोरिद वार्ड स्थित बागतराई रोड ट्रेंचिंग ग्राउंड में सोमवार को अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। चारों ओर आग ही आग फैलने से धुआं चारों फैल गया। नगर निगम आयुक्त प्रिया गोयल और निगम सभापति कौशल्या देवांगन मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दोनों जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से आग पर काबू पाने के निर्देश दिए। फायर ब्रिगेड की टीम लगातार आग बुझाने में जुटी रही। मौके पर पानी के टैंकरों और आवश्यक संसाधनों की मदद से आग को फैलने से रोकने के प्रयास किए गए। अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है और स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है ताकि किसी प्रकार की जनहानि या अन्य नुकसान न हो।

नशा करने से रोकने पर चाकूबाजी, तीन घायल, पिता-पुत्र गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर के गंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पारस नगर क्षेत्र में घर के सामने नशा करने से रोकने पर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि साहिल खान और उसके पिता इस्माइल ने मिलकर एक परिवार पर चाकू से हमला कर दिया।

गंज थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पारस नगर निवासी अरुण साहू ने घर के सामने नशा कर रहे साहिल खान को रोकने की कोशिश की थी। इसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि साहिल खान और उसके पिता इस्माइल ने चाकू निकालकर हमला कर दिया। घटना में अरुण साहू, उनकी पत्नी रजनी साहू और बेटे अनुज साहू घायल हो गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां अरुण साहू और उनके बेटे अनुज साहू की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई, जिसके मद्देनजर पुलिस बल तैनात किया गया है। सूचना मिलते ही गंज थाना पुलिस, एसीपी कोतवाली और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपित साहिल खान और उसके पिता इस्माइल को हिरासत में ले लिया है। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

संक्षिप्त समाचार

आईएफएस अरूण पांडे बने नए प्रधान मुख्य वन संरक्षक, आदेश जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने आईएफएस अरूण पांडे को प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन बल प्रमुख के तौर पर नियुक्त कर दिया है। मंत्रालय से इस संबंध में आज बुधवार को आदेश जारी कर दिया गया है। अरूण पांडे व्ही. श्रीनिवासन राव की जगह लेंगे। उल्लेखनीय है कि पीसीसीएफ प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव 31 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। ऐसे में नए पीसीसीएफ के लिए डीपीसी की बैठक हुई थी। इसमें अरूण पाण्डेय, अनिल साहू और कौशलेंद्र कुमार के नाम पर चर्चा हुई थी। चर्चा के बाद अरूण पाण्डेय के नाम पर मुहर लगा है। छत्तीसगढ़ शासन वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग मंत्रालय रायपुर से आज यह आदेश जारी कर दिया गया है।

कोल पेंशनरों को बड़ी राहत: न्यूनतम फैमिली पेंशन अब 1000 रुपये, मिलेगा 28 माह का एरियर

रायपुर। कोयला क्षेत्र के हजारों पुराने पेंशनरों के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी राहत दी है। कोयला खान परिवार पेंशन योजना 1971 के तहत मिलने वाली न्यूनतम फैमिली पेंशन अब बढ़ाकर 1000 रुपये प्रतिमाह कर दी गई है। नई अधिसूचना जारी होने के बाद लंबे समय से कम पेंशन पा रहे लाभार्थियों को इसका सीधा फायदा मिलेगा। अब तक कई पुराने पेंशनभोगियों को 1000 रुपये से कम पेंशन मिल रही थी। पूर्व में जारी संशोधन में स्पष्ट वैधानिक प्रावधान नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में पेंशनर बढ़ी हुई न्यूनतम पेंशन के दायरे से बाहर रह गए थे। इसे लेकर कोयला पेंशनरों के संगठनों और श्रमिक यूनियनों ने लगातार सरकार के सामने मामला उठाया था। केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के बाद कोयला मंत्रालय ने नई अधिसूचना जारी कर स्थिति स्पष्ट कर दी है। इसके तहत कोल माइंस प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन (सीएमपीएफओ) ने संशोधित पेंशन लागू करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि बढ़ी हुई न्यूनतम पेंशन को 8 मार्च 2024 से प्रभावी माना गया है। ऐसे में पात्र पेंशनरों को करीब 28 महीने का बकाया एरियर भी मिलने की संभावना है। उम्मीद जताई जा रही है कि जून माह की पेंशन के साथ एरियर की राशि भी जारी की जा सकती है। ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल पेंशनर्स के संयोजक पीके सिंह राठौर ने इसे कोयला पेंशनरों की नैतिक और संगठनात्मक जीत बताया है।

एनआईटी रायपुर ने स्मृति पुस्तकालय के तहत दान की 30 कंप्यूटर सिस्टम

रायपुर। जिले में संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण बनती जा रही है। इस पहल के माध्यम से लोग स्वेच्छा से पुस्तकें और इलेक्ट्रोनिक्स गैजेट दान कर युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में योगदान दे रहे हैं। इसी क्रम में आज बुधवार को एनआईटी रायपुर ने 30 कंप्यूटर सिस्टम जिला प्रशासन को दान कीं।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उनके इस सराहनीय योगदान की सराहना करते हुए एनआईटी के प्रतिनिधि एसोसिएट प्रोफेसर पवन कुमार मिश्रा को प्रमाण पत्र एवं शॉल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास से जरूरतमंद एवं प्रतिभावान अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। उल्लेखनीय है कि, स्मृति पुस्तकालय योजना के तहत अब तक 13 हजार 500 से अधिक पुस्तकें और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान किए जा चुके हैं। इन संसाधनों का लाभ लेकर अनेक विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को नई दिशा दे रहे हैं।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि, वे भी इस पुनीत पहल से जुड़कर ज्ञान के दान में भागीदार बनें और युवाओं के सपनों को साकार करने में सहयोग दें। पुस्तक अथवा इलेक्ट्रॉनिक गैजेट दान करने के इच्छुक नागरिक 94060 49000 एवं 94255 02970 से संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

करही गोलीकांड का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

रेत कारोबार की रंजिश में की आयुष कश्यप की हत्या

जांजगीर-चांपा। जिले के बहुचर्चित करही गोलीकांड मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन हंटह्व के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने हत्या के मुख्य साजिशकर्ता गनपत बघेल को मंगलवार शाम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल और मैगजीन भी बरामद की है। मामले में पूर्व में तीन आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

बिर्रा पुलिस के अनुसार, 23-24 अप्रैल 2026 की दरम्यानी रात ग्राम करही में तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर आयुष कश्यप की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना में आयुष का छोटा भाई भी गंभीर रूप से घायल हुआ था। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। जांच के दौरान 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए और संदिग्धों से लगातार पूछताछ की गई। साइबर सेल और आसूचना टीम की मदद से मिले तकनीकी बुद्धिमत्ता और मानवीय बुद्धिमत्ता इनपुट ने पूरे मामले के खुलासे में अहम भूमिका निभाई।

जांच में सामने आया कि मृतक आयुष कश्यप और आरोपियों के बीच लंबे समय से उधारी के पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। इसके अलावा आयुष की लगातार बढ़ती आर्थिक स्थिति, क्षेत्र में बढ़ता प्रभाव और रेत कारोबार में प्रतिस्पर्धा भी हत्या की बड़ी वजह बनी। पूछताछ में आरोपित भूषण बघेल ने खुलासा किया कि आरोपितों को आयुष कश्यप की आर्थिक प्रगति और व्यवसायिक सफलता से जलन होने लगी थी। रेत कारोबार में आयुष कम कीमत पर सप्लाई कर ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था, जिससे आरोपितों को आर्थिक नुकसान हो रहा था।

मुख्य आरोपित गनपत बघेल ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने हाईवा और जेसीबी मशीन लोन पर खरीदी थी और उनकी किस्त चुकाने के लिए अवैध रेत परिवहन का काम करता था। वहीं आयुष कश्यप भी रेत कारोबार से जुड़ा था और कम कीमत में रेत बेचकर उसके ग्राहकों को अपनी ओर कर रहा था। इससे गनपत को भारी नुकसान होने लगा था। आरोपित ने यह भी बताया कि आयुष कश्यप रेत घाटों में दादागिरी करता था और राजस्व विभाग की टीम बुलाकर वाहनों को पकड़वाने की धमकी देता था। इन घटनाओं से आरोपित मानसिक रूप से परेशान और आक्रोशित हो गया था। धीरे-धीरे यह रंजिश हत्या की साजिश में बदल गई।

पुलिस के मुताबिक, हत्या की पूरी योजना पहले से तैयार की गई थी। वारदात की रात आरोपित मृतक के घर के आसपास पहले से मौजूद थे। सबसे पहले घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ा गया। इसके बाद आरोपितों ने मृतक के पिता के कमरे को बाहर से बंद कर दिया और सीधे आयुष कश्यप के कमरे में घुस गए। कमरे में घुसते ही आरोपियों ने आयुष पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके छोटे भाई को भी गोली मार दी गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

पुलिस ने मामले में पहले ही आरोपी हेमंत कुमार बघेल, भूषण बघेल और अमित टंडन को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया था। अब मुख्य साजिशकर्ता गनपत बघेल को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रेत माफिया पर महिलाओं का शिकंजा: अवैध उत्खनन करते दो जेसीबी और हाइवा पकड़े

कोरबा। जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कनकी जोगी में बुधवार को ग्रामीण महिलाओं ने अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए बड़ी कार्रवाई की। गांव की महिलाओं ने अवैध रूप से रेत निकाल रहे दो जेसीबी मशीन और एक हाइवा वाहन को मौके पर पकड़कर रोक लिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई।

ग्रामीण महिलाओं का आरोप है कि रेत माफिया शासन द्वारा अधिकृत रेत घाट से खनन नहीं कर रहे हैं, बल्कि चोरी-छिपे दूसरे स्थानों से अवैध रूप से रेत निकालकर परिवहन कर रहे हैं। महिलाओं ने बताया कि लंबे समय से गांव के आसपास अवैध रेत उत्खनन का खेल चल रहा है, जिसकी शिकायत कई बार की जा चुकी है, लेकिन कार्रवाई नहीं होने से माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

महिलाओं ने मौके पर ही संबंधित थाना क्षेत्र को सूचना दी। साथ ही खनिज विभाग को भी पूरे मामले की जानकारी भेजी गई है। ग्रामीणों ने गांव के सरपंच और सचिव को भी घटना से अवगत कराया। सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है। ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि अवैध रेत परिवहन में लगी भारी वाहनें गांव के मुख्य मार्गों से तेज रफ्तार में गुजरती हैं, जिससे आए दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है। गांव के अंदर छोटे बच्चों और बुजुर्गों का निकलना मुश्किल हो गया है। महिलाओं ने बताया कि कई बार हादसे की स्थिति बन चुकी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक गंभीरता नहीं दिखा रहा।

ग्रामीणों का आरोप है कि रेत माफिया रात-दिन नदी और आसपास के क्षेत्रों में मशीनों से उत्खनन कर पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। लगातार हो रहे अवैध खनन से नदी का स्वरूप बदल रहा है और आसपास की जमीन भी प्रभावित हो रही है। इस मामले में उरगा थाना प्रभारी नवीन पटेल ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं द्वारा अवैध रेत उत्खनन की सूचना दी गई है। पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि खनिज विभाग को भी सूचना दे दी गई है तथा जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अवैध खनन और परिवहन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

घटना के बाद गांव में भारी आक्रोश का माहौल है। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि अवैध रेत उत्खनन पर जल्द रोक नहीं लगी तो ग्रामीण बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। फिलहाल प्रशासन और खनिज विभाग की कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

कांग्रेस का आंदोलन तीसरे दिन भी जारी, थाने के सामने अनशन पर डटे टीएस सिंहदेव और दीपक बैज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के विश्रामपुर में कांग्रेस का आंदोलन आज बुधवार को तीसरे दिन भी जारी है। कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन के खिलाफ दर्ज आर्म्स एक्ट की एफआईआर वापस लेने की मांग को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव लगातार आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज भी क्रमिक भूख हड़ताल में शामिल हैं। विश्रामपुर थाने के सामने बने धरना स्थल पर बुधवार को भी बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता मौजूद है।

तीसरे दिन आंदोलन का स्वर और अधिक आक्रामक दिखाई दिया। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस प्रशासन पर राजनीतिक दबाव में कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि जब तक नरेंद्र जैन के खिलाफ दर्ज मामला वापस नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा। मंगलवार को आंदोलन में शामिल हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी भाजपा सरकार और पुलिस प्रशासन पर निशाना साधा था। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी माहौल प्रभावित करने के लिए कांग्रेस नेताओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं की एकजुट मौजूदगी को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज है।

टीएस सिंहदेव ने पहले ही प्रशासन को कार्रवाई सुधारने के लिए समय दिया था। उनका कहना है कि नरेंद्र जैन के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर तथ्यों और कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप नहीं है। कांग्रेस का आरोप है कि पूरे मामले में एकतरफा कार्रवाई की गई।

हालांकि, आंदोलन के दबाव के बीच पुलिस ने नरेंद्र जैन की शिकायत पर दूसरे पक्ष के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। इसके बावजूद कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मुख्य मांग अभी पूरी नहीं हुई है, इसलिए धरना और अनशन जारी रहेगा। धरना स्थल पर रातभर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी बनी रही। कई स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी समर्थन में उपवास शुरू कर दिया है। प्रदर्शन में पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, पूर्व विधायक भानू प्रताप सिंह, पारसनाथ राजवाड़े, अंबिका सिंहदेव समेत कई वरिष्ठ नेता लगातार सक्रिय हैं। कांग्रेस के मुताबिक कुछ दिन पहले भाजपा कार्यकर्ता मित्तल पांडेय और कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन के बीच चुनावी मुद्दे को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद भाजपा की ओर से विश्रामपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसमें नरेंद्र जैन पर कटार दिखाकर धमकाने का आरोप लगाया गया। कांग्रेस का दावा है कि यह मामला राजनीतिक दबाव में दर्ज किया गया है और अब तक पुलिस कथित हथियार भी बरामद नहीं कर सकी है। इसी के विरोध में कांग्रेस ने विश्रामपुर थाने के सामने आंदोलन शुरू किया, जो अब तीसरे दिन भी जारी है।

कबाड़ी दुकान में भीषण आग लाखों का सामान जलकर खाक

हसौद। जांजगीर-चांपा जिले के हसौद क्षेत्र में आज बुधवार सुबह एक कबाड़ी दुकान में भीषण आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में पूरी दुकान धू-धू कर जलने लगी। घटना मंडी चौक स्थित सम्मेलाल खूंटे की कबाड़ी दुकान की है।

मिली जानकारी के अनुसार, दुकान के बगल में स्थित खेत में एक किसान द्वारा पैरा जलाया जा रहा था। तेज गर्मी और हवा के चलते आग धीरे-धीरे फैलते हुए कबाड़ी दुकान तक पहुंच गई। देखते ही देखते दुकान में रखे प्लास्टिक, टायर, कॉपी और अन्य कबाड़ी का सामान आग की चपेट में आ गया। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। काफी मशक्कत और मोहल्लेवासियों की मदद के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन दुकान में रखा पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से खेतों में पैरा जलाने पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में इस तरह की लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

देवपुर जंगल में दिखी दुर्लभ विशाल भारतीय गिलहरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत देवपुर जंगल में दुर्लभ 'विशाल भारतीय गिलहरी' दिखाई देने से वन विभाग, प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीव विशेषज्ञों में उत्साह है। वन मंत्री केदार कश्यप ने इसे प्रदेश के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि राज्य के जंगल पर्यावरणीय संतुलन और वन्यजीव संरक्षण के मजबूत आधार हैं।

यह दुर्लभ गिलहरी 16 मई से 22 मई तक आयोजित देवपुर समर कैंप 2026 के दौरान पक्षी अवलोकन भ्रमण में इस दुर्लभ वन्यजीव की मौजूदगी दर्ज की गई, जिसे प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता और स्वस्थ वन पारिस्थितिकी का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

वन विभाग के अनुसार किसी भी वन क्षेत्र में इस प्रजाति की उपस्थिति वहां के घने वृक्ष आवरण, संतुलित पर्यावरण और समृद्ध जैव विविधता का प्रमाण मानी जाती है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने बुधवार को कहा कि छत्तीसगढ़ के जंगल केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और वन्यजीव संरक्षण के मजबूत आधार हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वन संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, प्रकृति शिक्षा और ईको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य लोगों को जंगल और प्रकृति से जोड़ना है, ताकि आने वाली पीढ़ियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी विकसित हो सके। देवपुर समर कैंप जैसे आयोजन इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस दुर्लभ गिलहरी की पहचान बलौदाबाजार के प्रकृति एवं पक्षी प्रेमी तथा साइबर जोखिम विशेषज्ञ हेमंत वर्मा द्वारा की गई। उनके अनुसार यह प्रजाति सामान्य गिलहरियों की तुलना में आकार में काफी बड़ी होती है तथा इसके शरीर पर गहरे लाल, काले, भूरे और क्रीम रंगों का आकर्षक मिश्रण इसे अलग पहचान देता है।

वैज्ञानिक रूप से ह्लरटूफा इंडिकाह्व नाम से पहचानी जाने वाली यह प्रजाति भारत की सबसे बड़ी वृक्षवासी गिलहरियों में शामिल है। इसकी लंबाई पूंछ सहित लगभग तीन फीट तक हो सकती है। यह पूरी तरह पेड़ों पर रहने वाली प्रजाति है और एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक लगभग 20 फीट लंबी छलांग लगाने की क्षमता रखती है। विशेषज्ञों के अनुसार किसी वन क्षेत्र में इस प्रजाति की मौजूदगी वहां के स्वस्थ जंगल और समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत मानी जाती है। हालांकि जंगलों की कटाई और प्राकृतिक आवासों के विखंडन के कारण इसके अस्तित्व पर खतरा लगातार बढ़ रहा है। भारत में यह प्रजाति वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची-दो के अंतर्गत संरक्षित है।

बलौदाबाजार वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि बारनवापारा अभ्यारण्य एवं आसपास के वन क्षेत्र जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वन्यजीव अवलोकन लोगों को जंगलों के महत्व को समझने और संरक्षण के प्रति जागरूक होने का अवसर देते हैं। उन्होंने बताया कि देवपुर समर कैंप के माध्यम से बच्चों, युवाओं और प्रकृति प्रेमियों को वन एवं वन्यजीवों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे भविष्य में संरक्षण के प्रति जनसहभागिता और मजबूत होगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक : कैलाश नाथ द्वारा शिवम पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनरीज इण्डस्ट्रीज-157प्रेस भवन,मधुबन विहार (ज्ञानेश्वर सोसायटी) ,वार्ड-85, होशंगाबाद रोड, भोपाल म.प्र.462047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : सुशील कुमार त्रिपाठी , Mobile-91- 9893982060, Email- mptmnp@gmail.com , website:tarunmitra.in , RNI : MPHIN/2021/79825 ; "इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के तहत उत्तरदायी। समस्त विवाद भोपाल न्यायालय के अधीन होंगे।

कार्यकर्ता संगठन की मजबूत कड़ी, सम्मान सर्वोपरि : ब्रजेश पाठक

हमीरपुर, 27 मई (तरुणमित्र)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मंगलवार को राठ कस्बे पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा के जिला प्रशिक्षण वर्ग के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं के सम्मान की बात करते हुए एनएच-34 मामले में दर्ज मुकदमों को गलत बताया। वहीं कार्यक्रम स्थल पर पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष और राठ क्षेत्राधिकारी के बीच हुई तीखी नोकझोंक चर्चा का विषय बनी रही। उप मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर स्वामी ब्रह्मानंद इंटर कॉलेज स्थित हेलीपैड पर उतरा, जहां भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने स्वामी ब्रह्मानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और फिर नारायण गेस्ट हाउस में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि एनएच-34 मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं पर दर्ज मुकदमे गलत हैं और कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेताओं की भाषा को अमर्यादित बताया और कहा कि इसका जवाब जनता आने वाले समय में देगी।

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद नारायण गेस्ट हाउस में उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक उप मुख्यमंत्री से मिलने के लिए ऊपर जाने लगे। सुरक्षा व्यवस्था में तैनात राठ क्षेत्राधिकारी ने उन्हें रोक दिया, जिससे दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर कहासुनी होने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामले को सुलझाया।

नवनिर्माण सेना ने उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

हमीरपुर, 27 मई (तरुणमित्र)। राठ में आज बुंदेलखंड नव निर्माण सेना भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय तिवारी एडवोकेट अपने साथियों के साथ उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ब्रजेश पाठक को खूनी हाईवे एनएच-34 के निर्माण, चौड़ीकरण एवं डिवाइडर निर्माण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने हेतु राठ पहुंचे थे।

जैसे ही विनय तिवारी एवं उनके साथी तहसील गेट राठ पहुंचे, वहां पहले से मौजूद भारी पुलिस बल द्वारा उनकी गाड़ी को घेर लिया गया तथा उन्हें और उनके साथियों को रोककर तहसील परिसर में बैठा लिया गया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की समस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन देने से रोकना अत्यंत निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। बुंदेलखंड नव निर्माण सेना भारत का मानना है कि जनता की आवाज को प्रशासनिक दबाव से दबाया नहीं जा सकता। ज्ञापन के माध्यम से संगठन द्वारा NH-34 पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं, बढ़ती मौतों तथा सड़क की बदहाल स्थिति को प्रमुखता से उठाया जाना था। संगठन लंबे समय से हाईवे के चौड़ीकरण, डिवाइडर निर्माण एवं सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर रहा है।

इस दौरान यश अग्रवाल (निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष), अलका द्विवेदी, इशु, अनुज राजपूत सहित एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बुंदेलखंड नव निर्माण सेना भारत ने स्पष्ट किया है कि जनता की सुरक्षा एवं अधिकारों की लड़ाई आगे भी पूरी मजबूती के साथ जारी रहेगी।

महोबा के कुंवर यशोवर्मन सिंह चंदेल देश के प्रबुद्ध युवा

महोबा, 27 मई (तरुणमित्र)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय 'केशव कुंज' मुख्यालय में 'यूथ फॉर भारत' के विशेष कार्यक्रम के तहत एक भव्य और गरिमापूर्ण राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। संघ के वरिष्ठ प्रचारकों की गरिमामयी अध्यक्षता में आयोजित इस राष्ट्र निर्माण को समर्पित कार्यक्रम में महोबा-हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के निवर्तमान सांसद कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के सुपुत्र और प्रखर युवा विचारक एडवोकेट कुंवर यशोवर्मन सिंह चंदेल ने सहभागिता की। उन्होंने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान इस केंद्रीय आयोजन में शामिल होकर बुंदेलखंड के ऊर्जावान युवा नेतृत्व का प्रतिनिधित्व किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए महोबा के एडवोकेट कुंवर यशोवर्मन सिंह चंदेल ने बताया कि 'केशव कुंज' RSS हेड क्वार्टर में आयोजित इस विशेष गोष्ठी में देश भर से युवा पीढ़ी के अग्रसर और ख्यातिप्राप्त सामाजिक कार्यकर्ता, फिल्म निर्माता, अभिनेता, शिक्षाविद और विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित करने वाले प्रबुद्ध भारतीय युवाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के इन प्रभावशाली युवाओं की ऊर्जा को राष्ट्रहित, सेवा भावना, राष्ट्रीय चेतना और अपनी गौरवशाली संस्कृति के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें एक मंच पर लाकर भारत को वैश्विक पटल पर और अधिक सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा करना रहा।

कुंवर यशोवर्मन सिंह चंदेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारकों के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि संघ के केंद्रीय कार्यालय जैसी पावन, अनुशासित और वैचारिक रूप से समृद्ध स्थली पर राष्ट्र निर्माण के इस महा-अभियान का हिस्सा बनना अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी रहा।

सीडीओ की अध्यक्षता में हीट वेव की रोकथाम को समीक्षा बैठक संपन्न

भीषण गर्मी और लू से बचाव के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को दिए गए कड़े निर्देश

चित्रकूट, 27 मई (तरुणमित्र)। मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में हीट वेव (लू) के प्रकोप एवं उससे बचाव के प्रबंधों के संबंध में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने बढ़ते तापमान और जनसामान्य के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आम जनमानस से अपील करते हुए कहा कि अत्यंत तीव्र गर्मी को देखते हुए भोजन सुबह के समय ही तैयार कर लें। दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलने और यात्रा करने से बचें। यदि किसी अनिवार्य कार्यवश बाहर जाना भी पड़े, तो अंगोछे, टोपी या सूती कपड़े से सिर और चेहरा अवश्य ढककर निकलें। हीट वेव (लू) से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखें।

दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचें। पर्याप्त मात्रा में पानी या ओआरएस पीते रहें। मुख्य विकास अधिकारी ने पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि समस्त ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव यह सुनिश्चित करें कि मौसम विभाग द्वारा जारी होने वाले किसी भी अलर्ट (चेतावनी) का संदेश तत्काल ग्रामीण क्षेत्रों में जन-जन तक पहुंचे। सूचनाओं का समय पर प्रेषण अत्यंत आवश्यक है ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को पूर्णतः रोका जा सके। आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। समीक्षा बैठक में अपर जिलाधिकारी चंद्रशेखर, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) स्वप्निल कुमार यादव, उपजिलाधिकारी (मानिकपुर) मोहम्मद जसीन, जिला पंचायत राज अधिकारी देवेंद्र सिंह सहित विभिन्न ग्रामों के प्रधान एवं पंचायत सचिव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल को श्रद्धांजलि

बांदा, 27 मई (तरुणमित्र)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लाल की पुण्यतिथि पर बुधवार को जिला कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा एवं पत्रकारिता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से आए पत्रकारों, साहित्यकारों और समाजसेवियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने बाबू बालेश्वर लाल के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इसके बाद वरिष्ठ पत्रकारों और पदाधिकारियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया। अतर्रा, बबेरू, कमासिन, तिंदवारी, मरका, ओरन, कालिंजर, नरैनी, गिरवां, चिल्ला, जसपुरा और पैलानी समेत विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे पत्रकारों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सखी वन स्टॉप सेंटर में महिला सुरक्षाकर्मियों की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी

ललितपुर, 27 मई (तरुणमित्र)। अशोक कुमार सिंह, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ललितपुर के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवप्रिय सारस्वत ने मंगलवार को सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, अभिलेखों, प्रकरण पंजिकाओं एवं महिलाओं-बालिकाओं को प्रदान की जा रही विधिक व परामर्श सेवाओं का गहन परीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान यह गंभीर तथ्य सामने आया कि केंद्र में 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था हेतु महिला सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी निर्धारित होने के बावजूद निरीक्षण के समय कोई भी महिला सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं थी। इस संबंध में सेंटर मैनेजर द्वारा बताया गया कि पुलिस लाइन से महिला सुरक्षाकर्मी ड्यूटी पर नहीं भेजी गई हैं। दूरभाष पर पुलिस लाइन से संपर्क करने पर जानकारी दी गई कि महिला सुरक्षाकर्मियों की कमी के कारण ड्यूटी नहीं लगाई जा सकी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा रिजर्व इंस्पेक्टर पुलिस लाइन, ललितपुर से स्पष्टीकरण तलब किए जाने तथा पुलिस अधीक्षक ललितपुर को पत्राचार कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि सखी वन स्टॉप सेंटर जैसे संवेदनशील संस्थान में महिला सुरक्षाकर्मियों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे वहां निवासरत एवं सहायता लेने आने वाली महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा प्रभावित न हो।

निरीक्षण के दौरान सचिव द्वारा केंद्र की कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए निर्देशित किया गया कि पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित सहायता, समुचित परामर्श, चिकित्सीय सहयोग एवं आवश्यक विधिक सहायता नियमानुसार उपलब्ध कराई जाए। साथ ही अभिलेखों को सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर सेंटर मैनेजर सरिता रिछारिया, जिला मिशन कोऑर्डिनेटर ममता श्रीवास, पैरामेडिकल स्टाफ कीर्ति यादव, केस वर्कर रेशमा, श्रीमती निशा तथा पैरालीगल वालंटियर कु. कामांक्षी उपस्थित रहीं।

खरीद केन्द्रों पर तत्काल प्रभाव से बोरे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए : आयुक्त

भाकियू की शिकायत को आयुक्त ने संज्ञान लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

बांदा, 27 मई (तरुणमित्र)। भारतीय किसान यूनियन, चित्रकूटधाम मण्डल, बाँदा के पदाधिकारियों द्वारा आयुक्त, चित्रकूटधाम मण्डल, बाँदा अजीत कुमार मण्डल के विभिन्न जनपदों में संचालित गेहूँ खरीद केन्द्रों पर व्याप्त समस्याओं से अवगत कराया गया। अवगत कराया गया कि मण्डल के सभी जनपदों के अनेक खरीद केन्द्रों पर बोरे पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं, जिससे गेहूँ खरीद कार्य प्रभावित हो रहा है। साथ ही गेहूँ का समय से उठान न होने के कारण खरीद प्रक्रिया बाधित हो रही है तथा तौल प्रक्रिया में भी अनियमितताओं की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। किसान यूनियन के पदाधिकारियों द्वारा यह भी बताया गया कि बोरे की कमी एवं उठान में विलम्ब के कारण किसानों को कई-कई दिनों तक खरीद केन्द्रों पर इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक एवं मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने मांग की कि सभी खरीद केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में बोरे उपलब्ध कराये जाएं तथा गेहूँ उठान एवं तौल प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाया जाए। उक्त प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए आयुक्त अजीत कुमार द्वारा तत्काल सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, चित्रकूटधाम मण्डल, बाँदा, उप निबन्धक एवं उपायुक्त सहकारिता, चित्रकूटधाम मण्डल, बाँदा तथा प्रबन्धक, भारतीय खाद्य निगम, चित्रकूटधाम मण्डल, बाँदा के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिये कि मण्डल के समस्त खरीद केन्द्रों पर तत्काल प्रभाव से बोरे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी दशा में बोरे की कमी के कारण गेहूँ खरीद कार्य बाधित न होने पाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि खरीद केन्द्रों से गेहूँ का नियमित एवं समयबद्ध उठान सुनिश्चित किया जाए, जिससे किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा एवं असुविधा का सामना न करना पड़े।

आयुक्त ने तौल प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाये रखने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा शोषण की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारी एवं केन्द्र प्रभारी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीद केन्द्रों का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का सतत अनुश्रवण सुनिश्चित करें तथा किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान कराया जाए। बैठक में यह भी निर्देश दिये गये कि मण्डल के समस्त जिलाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर खरीद कार्य की दैनिक समीक्षा की जाए तथा खरीद केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट प्रतिदिन उपलब्ध करायी जाए। आयुक्त महोदय ने कहा कि शासन की मंशानुरूप किसानों से गेहूँ खरीद का कार्य पूरी पारदर्शिता, सुगमता एवं समयबद्धता के साथ सम्पन्न कराया जाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बाबू बालेश्वर लाल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

महोबा, 27 मई (तरुणमित्र)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल की पुण्यतिथि पर महोबा स्थित टूरिस्ट बंगला सभागार में श्रद्धांजलि सभा एवं पत्रकारिता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर के वरिष्ठ पत्रकारों, साहित्यकारों एवं समाजसेवियों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर बाबू बालेश्वर लाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों और वरिष्ठ पत्रकारों का पुष्पहार पहनाकर सम्मान किया गया। पनवाड़ी, जैतपुर, कबरई, महोबकंठ, चरखारी और कुलपहाड़ सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे पत्रकारों ने संगठन की एकजुटता और पत्रकारिता की गरिमा बनाए रखने का संकल्प लिया।

वरिष्ठ साहित्यकार संतोष पटैरिया ने कहा कि पत्रकार समाज, शासन और प्रशासन के बीच मजबूत सेतु का कार्य करता है तथा उसे निष्पक्ष और ईमानदार होकर अपने दायित्व निभाने चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार राकेश पटैरिया ने बाबू बालेश्वर लाल के संघर्षपूर्ण जीवन और ग्रामीण पत्रकारिता को मजबूत बनाने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। विशेष आमंत्रित अतिथि महंत देवी चरण दास ने पत्रकारों को समाज का सजग प्रहरी बताते हुए कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं। महिला पत्रकार नम्रता सोनी और कहकशा जलाल ने पत्रकारों से संगठन को मजबूत बनाने और एकजुट रहने की अपील की। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष यूनुस खान ने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि संगठन हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा रहेगा। वहीं भगवानदीन यादव, कैलाश तिवारी, अभिषेक द्विवेदी, विराग पचौरी और वहीद अहमद सहित अन्य वक्ताओं ने ग्रामीण पत्रकारों की भूमिका को लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ पत्रकारों एवं समाजसेवियों को मां चंडिका देवी का चित्र और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर कार्यवाही की संस्तुति

कन्नौज, 27 मई (तरुणमित्र)। जिले में हो रही जनगणना वर्ष 2027 को लेकर जिला प्रशासन द्वारा गंभीर रुख अख्तियार किया गया है जनगणना में लापरवाही तथा ढीला हवेली पर विभागीय करवाई होना शुरू हो गया है। इसी संदर्भ में तहसीलदार/चार्ज अधिकारी जनगणना, तहसील छिबरामऊ ने अवगत कराया है कि भारत सरकार एवं शासन के निर्देशानुसार संचालित जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत हाउस लिस्टिंग एवं संबंधित कार्यों को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण करने हेतु प्रशासन पूर्ण गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है। इसी क्रम में प्रगणक के रूप में नामित श्रीमती नीती (सहायक अध्यापक), कंपोजिट विद्यालय घिलोई एवं श्रीमती संगीता (शिक्षामित्र), कंपोजिट विद्यालय कैरदा द्वारा निर्धारित दायित्वों के निर्वहन हेतु कार्यभार ग्रहण नहीं किया गया तथा शासकीय कार्यों में अपेक्षित सहयोग भी नहीं प्रदान किया गया।

शीतल जल एवं छबील वितरण कैंप का आयोजन

बांदा, 27 मई (तरुणमित्र)। फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में नौतपा एवं भीषण गर्मी के दौरान लोगों को हीट वेव और लू से बचाने के उद्देश्य से एक दिवसीय शीतल जल एवं छबील वितरण कैंप का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिलाधिकारी बांदा अमित आसेरी की प्रेरणा से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, एडीएम न्यायिक माया शंकर यादव, सिटी मजिस्ट्रेट संदीप केला, यातायात प्रभारी महेंद्र प्रताप सिंह, कोतवाली देहात थाना प्रभारी सी.पी. तिवारी तथा टीएसआई त्रिलोकी नाथ पांडेय, एडीएम स्टेनो शाकिर अली, पेशकार पास्को कोर्ट तुलसी दास द्वारा राहगीरों को शीतल जल, पेठा, बिस्किट, शरबत एवं कोल्ड ड्रिंक वितरित कर किया गया। फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के मंडल प्रभारी एवं जिलाध्यक्ष सुनील सक्सेना ने बताया कि यह कैंप लगातार 27वें दिन आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने तन, मन और धन से सहयोग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया। प्रातः 9 बजे से प्रारंभ हुआ यह सेवा कार्य सायं 4 बजे तक निरंतर चलता रहा, जिसमें लगभग 5000 से अधिक राहगीरों को शीतल जल, पेठा, बिस्किट, शरबत एवं अन्य राहत सामग्री वितरित की गई। भीषण गर्मी में मानव सेवा के इस कार्य की स्थानीय नागरिकों एवं राहगीरों ने सराहना करते हुए संगठन के प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर संरक्षक श्री रमेश चंद्र चौरसिया, राधे श्याम साहू, राजेश निषाद, अमृत लाल गुप्ता, मोनू गुप्ता, मोहन लाल प्रजापति (पप्पू), दिनेश साहू, गुलाब साहू, दिलीप जडिया, अजहर खान, सौरभ शर्मा, बबलू साहू, मनोज नामदेव, पत्रकार अवधेश द्विवेदी, अनवर रजा रानू, शिवकुमार बड़कू सहित सैकड़ों लोगों ने इस जनसेवा, मानव सेवा के पुण्य कार्य में अपना योगदान प्रदान किया।

जनपद न्यायालय परिसर में ई-सेवा केंद्र पोर्टा केबिन का उद्घाटन

हमीरपुर, 27 मई (तरुणमित्र)। जनपद न्यायालय, हमीरपुर परिसर में ई-सेवा केंद्र पोर्टा केबिन का उद्घाटन जनपद न्यायाधीश मनोज कुमार राय द्वारा किया गया। इस अवसर पर न्यायालय परिसर में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय कर्मचारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में रनवीर सिंह, नोडल अधिकारी (कम्प्यूटर) एवं विशेष न्यायाधीश एस.सी./एस.टी. एक्ट सहित अन्य न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर सिस्टम अधिकारी श्री कुलदीप सचान द्वारा ई-सेवा केंद्र के माध्यम से उपलब्ध कराई जाने वाली डिजिटल सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि ई-सेवा केंद्र के माध्यम से वादकारियों एवं अधिवक्ताओं को एक ही स्थान पर विभिन्न न्यायिक सेवाएं सुलभ होंगी। केंद्र के माध्यम से वाद की स्थिति की जानकारी, केस स्टेटस, ई-फाइलिंग संबंधी सहायता, ई-कोर्ट फीस जमा करने में सहयोग सहित अन्य ऑनलाइन न्यायिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे न्यायिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं सुगमता बढ़ेगी तथा न्यायालय आने वाले वादकारियों को त्वरित सुविधा प्राप्त होगी। जनपद न्यायाधीश मनोज कुमार राय ने कहा कि न्यायालयों में डिजिटल सेवाओं के विस्तार से न्यायिक कार्य प्रणाली अधिक प्रभावी एवं जनसुलभ बन रही है। ई-सेवा केंद्र के माध्यम से अधिवक्ताओं एवं वादकारियों को आधुनिक तकनीक आधारित सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

ललितपुर, 27 मई (तरुणमित्र)। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीमों द्वारा मंगलवार को मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को पंपलेट वितरित कर महिला सुरक्षा, स्वावलंबन और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। टीमों ने महिलाओं और छात्राओं को डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, सीएम हेल्पलाइन-1076, वन स्टॉप सेंटर-181, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन-102, एंबुलेंस सेवा-108 तथा साइबर हेल्पलाइन-1930 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक किया। इसी क्रम में थाना जखौरा की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा राजकीय डिग्री कॉलेज जखौरा में छात्राओं को जागरूक करते हुए महिला सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई।

छात्राओं को बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति या उत्पीड़न की घटना होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ाना तथा उन्हें आत्मनिर्भर एवं जागरूक बनाना है।

ईदुल अजहा पर्व को लेकर ईदगाह को किया चकाचक

फतेहपुर, 27 मई (तरुणमित्र)। ईदुल अजहा (बकरीद) का पर्व कल (आज) समूचे जनपद में धूमधाम से मनाया जाएगा। ईदुल अजहा की नमाज को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। ईदगाह समेत आस-पास के परिसर को चकाचक कर दिया गया है। कार्य का जायजा लेने के लिए बुधवार को नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष व सभासद ईदगाह पहुंचे और सफाई कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजकुमार मौर्य एडवोकेट ने सभासदों के साथ ईदुल अजहा पर्व को देखते हुए नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने पनी मोहल्ले में छोटी ईदगाह के पास जाकर स्वयं व्यवस्था को देखा। जलकल अभियंता को निर्देशित किया कि आवश्यकतानुसार पानी के टैंकर लगाना सुनिश्चित करें। बड़ी ईदगाह में भी सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। वहां टेंट के साथ ही सोफा आदि हर वर्ष की तरह लगाने के लिए निर्देशित किया। चेयरमैन ने सफाई निरीक्षक को निर्देशित किया

चेयरमैन व सभासदों ने सफाई कार्य का किया निरीक्षण

कि सभी सुपरवाइजरों को सूचित कर दें कि मस्जिदों के आसपास सफाई के साथ-साथ चूने का रेखांकन कराया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें। अपशिष्ट को बंद गाड़ी में ले जाकर निस्तारण कराएं। इस मौके पर सभासद शादाब अहमद मौजूद रहे।

महिलाओं को दिया संदेश, चुप्पी तोड़ो-जागरूक बनो

फतेहपुर, 27 मई (तरुणमित्र)। तेलियानी ब्लॉक के गांव तेलियानी में मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर महिलाओं एवं किशोरियों को जागरूक करने के उद्देश्य से निशान वेलफेयर सोसाइटी की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं व किशोरियों ने भाग लेकर मासिक धर्म स्वच्छता से जुड़ी जानकारी, अनुभव और समस्याओं को खुलकर साझा किया। कल (आज) ईद-उल-अजहा होने के कारण सोसाइटी द्वारा यह कार्यक्रम एक दिन पूर्व आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मोबिलाइजर सलाहुद्दीन अल्ताशा, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर तुबा, मैनेजर रूबीना परवीन सहित संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। गांव की आशा संगिनी ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई, जिससे कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सका। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म के समय साफ-सफाई बनाए रखने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही मासिक धर्म से जुड़े सामाजिक मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने पर भी चर्चा की गई, ताकि महिलाएं बिना किसी संकोच के अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सकें।

शंकराचार्य का हुआ भव्य स्वागत, धर्म व गौसंरक्षण का दिया संदेश

बाँदा, 27 मई (तरुणमित्र)। जनपद बाँदा में 81 दिवसीय गविष्टि यात्रा लेकर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री श्री 1008 अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज बाँदा पहुंचे। इस यात्रा के दौरान शहर के अलीगंज में समाजसेवी/सपा नेता शेखर शर्मा के द्वारा शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज व गौ प्रतिष्ठा हेतु गविष्ट यात्रा का भव्य स्वागत किया। शेखर शर्मा के द्वारा विधिविधान के साथ 21 ब्राह्मणों की टोली ने पूजा अर्चना कर आरती कर स्वागत किया।

समाजसेवी/सपा नेता शेखर शर्मा ने कहा कि शंकराचार्य महाराज के द्वारा गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए यात्रा निकाली जा रही है हम सभी ने एक स्वर में गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने का समर्थन किया है। स्वागत कार्यक्रम में श्रद्धालुओं, सनातन धर्म प्रेमियों एवं स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी। जय श्रीराम, हर-हर महादेव एवं गौमाता के जयघोषों से भक्तिमय वातावरण में डूब गया।

संबोधन में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने सनातन धर्म, गौसंरक्षण एवं भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए समाज को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति और आस्था की आधारशिला हैं तथा समाज को धर्म और संस्कृति के संरक्षण के लिए आगे आना होगा। उन्होंने युवाओं से भारतीय परंपराओं और धार्मिक मूल्यों को आत्मसात करने की अपील की। शंकराचार्य महाराज ने कहा कि गविष्टि यात्रा का उद्देश्य केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता, गौसंरक्षण और सांस्कृतिक चेतना का प्रसार करना है। उन्होंने विभिन्न गांवों और नगरों में धर्म, सेवा और संगठन को मजबूत करने पर बल दिया।

सुरक्षा से खिलवाड़ पर 40 बसों पर चालानी कार्रवाई नियमों पालन करने वालों को पुष्प गुच्छ से सम्मान

अशोकनगर। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में लोक परिवहन बसों का विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत बुधवार को जहां नियमों की अनदेखी करने वाले 40 बस चालकों पर सख्त चालानी कार्रवाई की गई, वहीं यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करने वाले जिम्मेदार चालकों को पुलिस ने पुष्प गुच्छ (बुके) देकर सम्मानित भी किया।राजमाता चौराहे पर संयुक्त कार्रवाई, 40 बसों के कटे चालानःयातायात थाना प्रभारी मनीष सिंह चौहान, कोतवाली थाना प्रभारी रविप्रताप सिंह चौहान, देहात थाना प्रभारी भुवनेश शर्मा और जिला परिवहन के स्टाफ ने राजमाता चौराहे पर संयुक्त चेकिंग लगाई। इस दौरान बसों में सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 40 बसों के खिलाफ मोटर यान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई।

सवारियों से लबालब भरी स्कूल बस जब्त, कोर्ट भेजा मामलाःचेकिंग के दौरान एक स्कूल बस को रोका गया। जांच में बस के अंदर गंभीर लापरवाहियां पाई गईं। बस स्कूली बच्चों/यात्रियों से पूरी तरह लबालब भरी हुई थी। बस के भीतर न तो अग्निशमन यंत्र था और न ही फर्स्ट एड बॉक्स।पुलिस ने इस स्कूल बस को मौके पर ही विधिवत जब्त कर थाना कोतवाली में खड़ा करवा दिया है। बस संचालक पर भारी जुमार्ना लगाने के लिए प्रकरण तैयार कर माननीय सीजेएम न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।बताया गया कि 8 मुख्य बिंदुओं पर पैनी जांच पुलिस द्वारा रखी जा रही है जिनमें आपातकालीन सुरक्षा फायर एक्सटिंग्विशर, इमरजेंसी एग्जिट और फर्स्ट एड बॉक्स की उपलब्धता है। अवैध सीटें जिन बसों में अतिरिक्त सीटें लगा ली गई हैं, उन पर सीधी कार्रवाई की जा रही है। वहीं वाहन रजिस्ट्रेशन, परमिट, फिटनेस प्रमाण-पत्र, पीयूसी और बीमा शाामिल है।

और चालक की योग्यता चालक का वैध ड्राइविंग लाइसेंस और बैज। निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां या सीटें लगाना। निर्धारित गति सीमा से अधिक वाहन चलाना। नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालकों की जांच। रात में सुरक्षित संचालन के लिए रिफ्लेक्टर और लाइट व्यवस्था।

बुलेट से पटाखा छोडा पड़ा भारी, मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त

अशोकनगर। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में सडकों पर बुलेट मोटरसाइकिल में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर पटाखा फोड? और तेज आवाज से ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले ऐसे वाहन चालकों के विरुद्ध एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।चेकिंग के दौरान धरे गए दो बुलेट चालकःबुधवार को वाहन चेकिंग के दौरान थाना कोतवाली पुलिस ने दो ऐसी बुलेट मोटरसाइकिलों को रोका जो नियमों की धज्जियां उड़ा रही थीं। तेज आवाज से ध्वनि प्रदूषण फैलाने पर पुलिस ने निम्नलिखित चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की।वाहन चालक पर कार्रवाईपुलिस ने वाहन चालक सुरेंद्र बैरागी और कपिल शर्मा के विरुद्ध चालानी कार्रवाई कर साइलेंसर जब्त किए गए। पुलिस ने दोनों वाहनों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत चालान काटने के साथ ही मौके पर ही उनके मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त कर लिए।साइलेंसर लगाने वाले मैकेनिक को दी गई समझाइशःपकड़े गए वाहन चालकों से जब पुलिस ने पूछताछ की, तो उन्होंने बताया कि उनकी मोटरसाइकिलों में यह अवैध साइलेंसर मैकेनिक बंटी खान द्वारा लगाए गए थे। पुलिस ने तत्काल मैकेनिक बंटी खान को थाने बुलाकर सख्त हिदायत और समझाइश दी कि भविष्य में किसी भी वाहन में इस प्रकार के अवैध और मॉडिफाइड साइलेंसर न लगाए जाएं।पुलिस की वाहन मैकेनिकों और आम जनता से अपील की है कि सभी ऑटो मैकेनिकों और गैरेज संचालकों यदि कोई वाहन चालक मॉडिफाइड साइलेंसर लगवाने आता है, तो किसी भी स्थिति में उसे न लगाएं। अपने वाहनों में किसी भी प्रकार का अवैध मॉडिफिकेशन न कराएं।

पुलिस ने साफ कर दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले हुड़दंगियों और अवैध मॉडिफिकेशन करने वालों के विरुद्ध यह वैधानिक कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

तिलस्वा घाट की खाई में अनियंत्रित होकर गिरी पिकअप, तीन मजदूरों की मौत

नीमच। मध्य प्रदेश के नीमच जिले के सिंगोली क्षेत्र स्थित तिलस्वा घाट पर मंगलवार रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब राजस्थान से आ रहा एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। पिछले दो दिनों में इसी घाट पर यह दूसरा बड़ा हादसा है, जिससे इलाके में दहशत और नाराजगी का माहौल है।

जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन आरजे 14 जीएन 6549 राजस्थान के धौलपुर से बांसवाड़ा की ओर जा रहा था। इस दौरान मंगलवार रात करीब 10 बजे तिलस्वा घाट के खतरनाक मोड़ पर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और पिकअप सीधे खाई में जा गिरी। वाहन में पेंट की बाल्टियां भरी हुई थीं, जिनके ऊपर मजदूर बैठे थे। हादसे के बाद बाल्टियों में भरा रंग मजदूरों के शवों और घायलों पर फैल गया, जिससे घटनास्थल का दृश्य बेहद भयावह हो गया। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस के अनुसार, फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। मृतक मजदूर उत्तर प्रदेश के बरेली और गाजीपुर के साथ राजस्थान के जयपुर के निवासी बताए जा रहे हैं। सभी मजदूर आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य के लिए जा रहे थे। हादसे में घायल हुए मोहम्मद जाकिर (40), इदरीस और सोमपाल को सिंगोली अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में कोटा रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही सिंगोली थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा और तहसीलदार प्रेमशंकर पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से शवों को खाई से बाहर निकालकर सिंगोली अस्पताल की मॉचुर्री में रखवाया गया।

करैरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 38 लाख कीमत का 194 किलो गांजा सहित, दो तस्कर गिरफ्तार

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत करैरा थाना पुलिस ने बुधवार को बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 194 किलो गांजा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे और वाहन की कुल कीमत लगभग 38 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि पिछोर-बामौर रोड से एक सिल्वर रंग की हुंडई क्रेटा कार में अवैध गांजा ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद छावई के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र में घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोक लिया। तलाशी के दौरान कार में रखी प्लास्टिक की बोरियों से 194 किलो गांजा बरामद हुआ। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नीरज राय (40) निवासी टीला करैरा और मानसिंह विश्वकर्मा (36) निवासी नयाटाल टीला करैरा को मौके से गिरफ्तार किया। आरोपितों के कब्जे से लगभग 10 लाख रुपये कीमत की हुंडई क्रेटा कार भी जब्त की गई।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे गांजा उड़ीसा से लेकर आए थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि मादक पदार्थ की खेप किन इलाकों में सप्लाई की जानी थी और इसके पीछे कोई अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह सक्रिय है या नहीं। मामले में थाना करैरा में अपराध क्रमांक 346/26 दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी करैरा डॉ. आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में की गई।

बाबा खाटू श्याम मंदिर में पद्मिनी एकादशी पर उमड़ा आस्था का सैलाब

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा स्थित बाबा खाटू श्याम मंदिर में पद्मिनी एकादशी के अवसर पर बुधवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। सुबह मंगला आरती के साथ शुरू हुए धार्मिक आयोजन में दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही। मंदिर परिसर ह्लजय श्री श्यामह्ल के जयकारों से गूंजता रहा और भक्तों ने बाबा के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। पर्व को लेकर मंदिर प्रबंधन समिति ने विशेष व्यवस्थाएं की थीं। बाबा खाटू श्याम का भव्य श्रृंगार उज्जैन से मंगवाए गए 51 किलो ताजे फूलों से किया गया, जिसने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया।

मंदिर को रंगीन रोशनी और विद्युत सजावट से सजाया गया था, जिससे शाम के समय परिसर की भव्यता और भी निखर उठी। दिनभर मंदिर में भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना और विशेष आरतियों का आयोजन चलता रहा। दोपहर की आरती के दौरान मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से पूरी तरह खचाखच भर गया।

ब्यावरा सहित आसपास के गांवों और दूरदराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। पद्मिनी एकादशी पर निकाली गई भव्य निशान यात्राएं श्रद्धा का प्रमुख केंद्र रहीं। विभिन्न मोहल्लों और गांवों से श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के साथ नाचते-गाते मंदिर पहुंचे और बाबा को निशान अर्पित किए। पिंजार गली स्थित काली माता मंदिर से निकली निशान यात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। मंदिर परिसर और आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया, जबकि यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई मार्गों पर डायवर्जन लागू किए गए। नगर रक्षा समिति और स्वयंसेवकों ने दर्शन व्यवस्था संभालने में सहयोग किया। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, प्रसाद वितरण और छाया जैसी सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था की गई थी। भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं दिखी। पद्मिनी एकादशी का यह पर्व पूरे नगर में भक्ति, उत्साह और धार्मिक उल्लास का केंद्र बना रहा।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई, युवक की मौत

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम फूलखेड़ी जोड़ के पास बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई और पास के पेड़ से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार महेंद्रसिंह (25) पिता लक्ष्मणसिंह उमठ निवासी श?िवप्रतापनगर राजगढ़ फूलखेड़ी स्थित अपने ढाबे से घर लौट रहे थे।

इसी दौरान ग्राम फूलखेड़ी जोड़ के नजदीक तेज रफ्तार के कारण बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और पेड़ से भिड़ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महेंद्रसिंह के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलते ही डायल-112 का स्टाफ मौके पर पहुंचा और घायल युवक को जिला चिकित्सालय ले गया, लेकिन चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना की खबर लगते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई।

लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, सरकारी कॉलेज के सहायक प्राध्यापक 50 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

खरगोन। मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी कार्रवाई के बीच लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को खरगोन जिले के मंडलेश्वर में सरकारी कॉलेज के एक सहायक प्राध्यापक को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद शैक्षणिक महकमे में हड़कंप मच गया। आरोपित पर एक महिला सहायक प्राध्यापक की पोस्टिंग करवाने के नाम पर 4 लाख रुपए रिश्वत मांगने का आरोप है।

लोकायुक्त इंदौर के अनुसार, मानपुर निवासी मनोज वास्केल ने पुलिस अधीक्षक विशेष पुलिस स्थापना (लोकायुक्त) इंदौर के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उनकी पत्नी उर्मिला वास्केल का चयन पीएससी के माध्यम से सहायक प्राध्यापक पद पर हुआ था। उनकी पोस्टिंग पहले दलौदा (मंदसौर) में हुई थी, जिसे धार कॉलेज में करवाने का दावा करते हुए आरोपी सहायक प्राध्यापक आत्माराम सोलंकी लगातार रिश्वत की मांग कर रहा था। शिकायत के मुताबिक आरोपी ने पोस्टिंग घर के नजदीक करवाने के नाम पर 4 लाख रुपए मांगे, जिसमें से वह पहले ही 1 लाख रुपए ले चुका था और शेष राशि की मांग कर रहा था।

जिसके बाद लोकायुक्त टीम द्वारा शिकायत का सत्यापन कराया गया, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद बुधवार को आरोपित और आवेदक के बीच बातचीत के अनुसार 50 हजार रुपए की किश्त देने का समय तय हुआ। आरोपित ने आवेदक को धामनोद बायपास स्थित मधुबन ढाबे पर बुलाया।

पुरुषोत्तम मास में जीवागंज बना आस्था का केंद्र

मंदसौर। पुरुषोत्तम मास के चलते मध्य प्रदेश के मंदसौर का जीवागंज क्षेत्र इन दिनों भक्ति और आस्था के रंग में पूरी तरह डूबा हुआ है। यहां स्थित श्री गोवर्धननाथ मंदिर और श्री जगदीश मंदिर में विशेष दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। रात्रिकालीन विशेष दर्शन के दौरान प्रतिदिन करीब 20 से 25 हजार श्रद्धालु ठाकुरजी के दर्शन के लिए लंबी कतारों में खड़े नजर आ रहे हैं।

पुरुषोत्तम मास के अवसर पर जीवागंज क्षेत्र का माहौल वृंदावन धाम जैसा दिखाई दे रहा है। मंदिरों में पुष्टिमार्गीय वैष्णव परंपरा के अनुसार प्रतिदिन आकर्षक उत्सव और विशेष श्रृंगार किए जा रहे हैं। श्री जगदीश मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं को मनमोहक झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया जा रहा है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की भीड़, भक्ति गीतों की गूंज और लंबी कतारों ने पूरे क्षेत्र को तीर्थस्थल जैसा स्वरूप दे दिया है। दूर-दूर से आने वाले दर्शनार्थियों के कारण जीवागंज में दिनभर धार्मिक उल्लास का वातावरण बना हुआ है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। सीएसपी जितेन्द्र भास्कर और कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने मंदिर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है। यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए मंदिरों के आसपास कई मार्गों पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है।नगरपालिका द्वारा अतिरिक्त रोशनी की व्यवस्था की गई है, वहीं मंदिरों में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग बनाए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी न हो।

समाजसेवी संस्थाएं भी सेवा कार्यों में सक्रिय हैं। राधा कृष्णा ग्रुप द्वारा जीवागंज तिराहे पर श्रद्धालुओं के लिए जल सेवा चलाई जा रही है। यहां तांबे के पात्र में तुलसी अर्क और खस की सुगंधयुक्त शीतल जल श्रद्धालुओं को पिलाया जा रहा है। इसके अलावा शरबत और एकादशी पर साबूदाना खिचड़ी प्रसादी का वितरण भी किया जा रहा है। स्थानीय निवासी भी श्रद्धालुओं की सेवा में पीछे नहीं हैं। कई घरों के बाहर पेयजल की टंकियां रखी गई हैं ताकि आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को राहत मिल सके। उल्लेखनीय है कि 17 मई से प्रारंभ हुआ पुरुषोत्तम मास 15 जून तक चलेगा और तब तक जीवागंज में इसी तरह भक्ति, सेवा और श्रद्धा का माहौल बना रहेगा।

नेहरुजी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा में ब्लॉक शहर एवं मंडलम कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में बुधवार को मातामंड चैराहे पर महान स्वतंत्रता सेनानी, कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और देश के प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

कांग्रेस जनों ने नेहरूजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पंडित नेहरू की लोकतंत्र की मजबूत समझ, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और राष्ट्रीय एकता की विचारधारा ने भारत को एक आधुनिक, प्रगतिशील व समावेशी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। उपस्थित नेताओं ने संकल्प लिया कि वे नेहरू जी की सोच और सिद्धांतों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। साथ ही यह निर्णय भी लिया गया कि अब ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आगामी सभी जयंती और पुण्यतिथि कार्यक्रमों का आयोजन मंडलम, वार्ड एवं पंचायत स्तर पर नियमित रूप से करेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष चंदरसिंह सोंधिया, पूर्व नपा अध्यक्ष डॉ. भारत वर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल दांगी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष महेंद्र यादव,युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमन अरोरा, आफताब खान,नेता प्रतिपक्ष ज्ञानु विजयवर्गीय, लक्की दांगी, जगदीश सेन, मंडलम अध्यक्ष यूनुस मोहम्मद, राजू वर्मा,समीर खान, संजय बंसल, फूलसिंह वर्मा, फरीद भाई, घनश्याम वर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दलित महिला ने दो युवकों पर लगाया दुष्कर्म का आरोप, केस दर्ज

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के कालीपीठ थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 45 वर्षीय दलित महिला ने बेड़ावे व सीलखेड़ा गांव के दो युवकों पर खेत में जबरन पकड़कर गलत काम करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने बुधवार को फरार आरोपितों के खिलाफ एससीएसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार दलित महिला ने बताया कि 29 सितंबर 2025 को दोपहर करीब 12 बजे जब वह अपने खेत पर काम कर रही थी। इसी दौरान ज्ञानसिंह हरिजन (निवासी सीलखेड़ा) और नवलसिंह बंजारा (निवासी बेडावे) वहां पहुंचे। फरियादिया के मुताबिक दोनों आरोपितों ने उसके साथ जबरदस्ती गलत हरकत की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मामले में फरार आरोपितों के खिलाफ धारा 64(1), 70(1), 351(3) बीएनएस सहित एससीएसटी एक्ट के तहत केस कायम किया है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विवेचना शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दोनों आरोपितों की भूमिका की जांच की जा रही है और कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सतना में बंद कमरे में मिले पति-पत्नी के शव, हत्या के बाद खुदकुशी की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले के तिवनी गांव के एक घर के भीतर बंद कमरे में पति-पत्नी के शव मिले हैं। 45 वर्षीय किसान रामनिवास कोरी का शव जहां फंदे से लटकता मिला, वहीं उनकी 43 वर्षीय पत्नी शकुंतला का शव बिस्तर पर पड़ा हुआ मिला। शुरूआती जांच के आधार पर पुलिस को अंदेशा है कि पति ने पहले पत्नी की हत्या की और उसके बाद खुदकुशी कर ली। जानकारी के अनुसार, घटना का खुलासा बुधवार सुबह हुआ, जिसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो कमरे का दरवाजा अंदर से पूरी तरह लॉक था। पुलिस ने जब दरवाजा खोलकर भीतर प्रवेश किया, तो देखा कि किसान रामनिवास फंदे पर झूल रहा था और पत्नी बिस्तर पर मृत अवस्था में थी। चौंकाने वाली बात यह है कि पूरे कमरे में कहीं भी खून के धब्बे नहीं मिले हैं और न ही मृतका शकुंतला के शरीर पर किसी धारदार हथियार या चोट के बाहरी निशान दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में प्रथम दृष्टया माना जा रहा है कि रामनिवास ने पहले शकुंतला का गला घोंटा और फिर खुद फंदे पर लटक गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला मुख्यालय से फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को तत्काल मौके पर बुलाया गया। एफएसएल के विशेषज्ञों ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट्स और अन्य जरूरी वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर ऐसी क्या वजह थी, जिसके कारण किसान को ये कदम उठाना पड़ा। इस दोहरी मौत के पीछे के असली कारणों को खंगालने के लिए पुलिस मृतक दंपति के परिजनों और आसपास के ग्रामीणों से लगातार पूछताछ कर रही है। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

शहडोल में गहराया जल संकट, प्यास बुझाने दो किलोमीटर दूर खाई में उतर रहे ग्रामीण

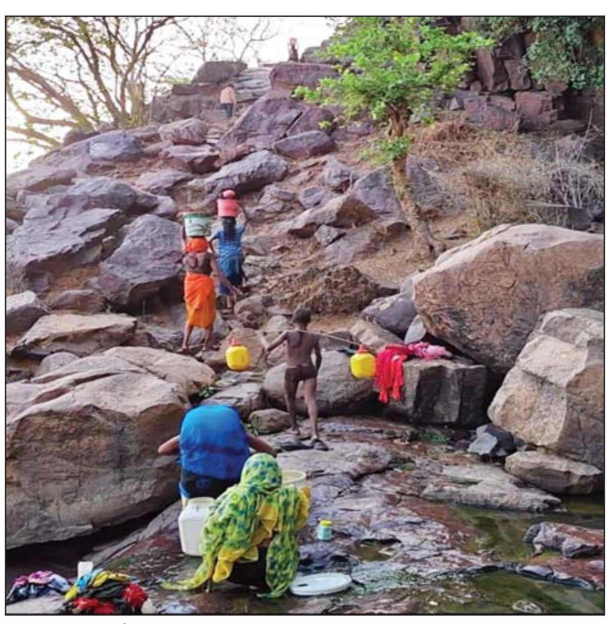

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के ब्यौहारी अंतर्गत ग्राम पंचायत धांधोकुई के ग्राम दाल में आज भी ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आज तक गांव में न सड़क पहुंच सकी, न बिजली और न ही पीने के पानी की समुचित व्यवस्था हो पाई है। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीणों को रोजाना दो किलोमीटर दूर पहाड़ों के नीचे स्थित झिरिया से पानी लाना पड़ रहा है।

तपती धूप में पहाड़ उतरकर लाते हैं पानी

भीषण गर्मी और तपती धूप के बीच जहां लोग घरों से निकलने से बचते हैं, वहीं दाल गांव के लोग पथरीले और खतरनाक रास्तों से होकर पहाड़ के नीचे उतरते हैं। ग्रामीण सिद्ध बाबा के पास स्थित एक गहरी झिरिया (झरना) से पीने का पानी भरकर अपने घर तक पहुंचाते हैं। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों तक को यह कठिन सफर रोज तय करना पड़ता है।

हैंडपंप लगा, लेकिन नहीं निकलता पानी

गांव में एक हैंडपंप जरूर लगाया गया है, लेकिन उससे पानी नहीं निकल रहा। ग्रामीणों का कहना है कि गांव ऊंची पहाड़ी पर बसा होने के कारण पानी की समस्या लगातार बनी हुई है। मजबूरी में लोग प्राकृतिक झिरिया के सहारे जीवन यापन कर रहे हैं।

सड़क और बिजली नहीं, बीमार पड़ने पर बढ़ती है परेशानी

गांव में सड़क सुविधा नहीं होने से ग्रामीणों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पक्की सड़क गांव से करीब पांच किलोमीटर दूर बताई जा रही है। ऐसे में यदि कोई बीमार पड़ जाए तो उसे अस्पताल तक पहुंचाना बेहद मुश्किल हो जाता है, क्योंकि गांव तक एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती।

'पूर्वजों के समय से झेल रहे परेशानी'

दाल निवासी बंशीलाल गोंड ने बताया कि उनके पूर्वज इसी गांव में बसे थे, लेकिन आज तक गांव में सड़क, बिजली और पानी जैसी सुविधाएं नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने कहा कि आज भी ग्रामीण पहाड़ के नीचे स्थित झरने से पानी लाकर जीवन यापन कर रहे हैं।

'बिना बिजली के जीवन मुश्किल'

ग्रामीण मथुरा सिंह ने बताया कि बिना बिजली के जीवन यापन करना बेहद कठिन है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। गांव में अंधेरा और परेशानी दोनों कायम हैं। ग्रामीण शुभकरण ने कहा कि गांव से पक्की सड़क करीब 5 किलोमीटर दूर है। ऐसे में किसी के बीमार पड़ने पर बड़ी दिक्कत होती है, क्योंकि गांव तक एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती।

सरपंच ने बताई समस्या

ग्राम पंचायत धांधोकुई के सरपंच राकेश प्रजापति ने बताया कि दाल गांव में एक हैंडपंप लगा है, लेकिन उससे पानी नहीं निकलता। गांव काफी ऊंचाई पर बसा हुआ है। यहां करीब 40 घरों की आबादी है, जिसमें लगभग 250 लोग निवास करते हैं। गांव में सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

आईपीएल के फाइनल में पहुंचने पर आरसीबी के कप्तान ने कहा, यह टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं

धर्मशाला। गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालिफायर-1 में गुजरात टाइटंस को 92 रनों से हराकर शानदार अंदाज में फाइनल में प्रवेश किया।

एचपीसीए स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 254 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर गेंदबाजों के दम पर एकतरफा जीत दर्ज की। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टीम की सामूहिक सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं पहले भी कह चुका हूं कि यह टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। हर खिलाड़ी टीम के लिए योगदान दे रहा है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। विराट, वेंकी, बेथेल और सॉल्ट जैसे खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत दी, जिससे हमें मजबूत आधार मिला।' रजत पाटीदार ने

कप्तानी पारी खेलते हुए सिर्फ 33 गेंदों में 93 रन ठोक दिए। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने मध्य ओवरों में मैच पूरी तरह आरसीबी की ओर मोड़ दिया। पाटीदार ने कहा, 'शुरुआत में मैं सिर्फ पिच को समझने और सही क्षेत्रों को चुनने की कोशिश कर रहा था लेकिन होल्डर पर पुल शॉट खेलने के बाद मुझे बल्लेबाजी की स्पष्टता मिल गई। इसके बाद मैंने सिर्फ मोमेंटम को अधिकतम करने पर ध्यान दिया।'

पडिक्कल ने दिखाई आक्रामक सोच - देवदत्त पडिक्कल ने 19 गेंदों में 30 रनों की तेज पारी खेली और टीम के निडर रवैये की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'लगातार दो वर्षों में फाइनल में पहुंचना बड़ी उपलब्धि है। हमने मैच से पहले आक्रामक शुरुआत करने की बात की थी और आज हमने वही किया। पहली गेंद से ही हमने दबाव बना दिया।' **पडिक्कल ने कप्तान की पारी को बताया खास** -

उन्होंने कहा, 'मैं खासतौर पर रजत की तारीफ करना चाहूंगा। इतने बड़े मुकाबले में दबाव के बीच उनकी पारी अविश्वसनीय थी।' उन्होंने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया।'

दिनेश कार्तिक ने बल्लेबाजों के इरादे को सराहा - आरसीबी के अनुभवी खिलाड़ी दिनेश कार्तिक ने टीम की सकारात्मक मानसिकता की सराहना की। उन्होंने कहा, 'शुरुआत से ही खिलाड़ियों का इरादा शानदार था। वेंकी, विराट और देवदत्त ने बेहतरीन शुरुआत दी और पूरी पारी में हमने आक्रामकता बनाए रखी।

ऐसे बड़े मुकाबलों में कई टीमें रक्षात्मक हो जाती हैं, लेकिन हमने लगातार दबाव बनाए रखा।' कार्तिक ने आगे कहा, 'मैच से पहले विराट ने बॉडी लैंग्वेज की अहमियत पर बात की थी और आज टीम का रवैया शानदार था। हमने चैंपियन की तरह खेल दिखाया।'

मैच में बने कई बड़े रिकॉर्ड

इस मुकाबले में आरसीबी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए– 254/5 आईपीएल प्लेऑफ इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बना

आरसीबी ने इस सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले स्कोर 76/1 बनाया

विराट कोहली ने आईपीएल में छठी बार 600+ रन पूरे किए

2023 के बाद लगातार चौथे सीजन में विराट ने 600 से अधिक रन बनाए

भुवनेश्वर कुमार 26 विकेट के साथ पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष पर बने हुए हैं। क्रुणाल पांड्या इस सीजन 200+ रन और 10+ विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बने

अब आरसीबी 31 मई को अहमदाबाद में आईपीएल 2026 का फाइनल खेलेगी। टीम लगातार दूसरा खिताब जीतकर आईपीएल इतिहास में लगातार दो बार चैंपियन बनने वाली तीसरी टीम बनने की कोशिश करेगी।

आईपीएल से लौटे माधव तिवारी मध्य प्रदेश लीग के लिए उज्जैन फाल्कन्स से जुड़े

उज्जैन (मध्य प्रदेश)। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी-20 सिंधिया कप 2026 से पहले उज्जैन फाल्कन्स को बड़ी मजबूती मिली है। ऑलराउंडर माधव तिवारी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स का अभियान समाप्त होने के बाद उज्जैन फाल्कन्स कैंप से जुड़ गये हैं। उज्जैन फाल्कन्स अपनी एमपीएल टी-20 अभियान की शुरुआत 3 जून को इंदौर के प्रतिष्ठित होलकर स्टेडियम में ग्वालियर चीताज के खिलाफ करेगी। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर माधव ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए तीन मुकाबले खेले और प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए चार विकेट हासिल किए।

टीम ने पूर्व मध्य प्रदेश क्रिकेटर सुनील धोलपुरे के मार्गदर्शन में टूर्नामेंट की तैयारियां पहले ही शुरू कर दी हैं, जहां खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ लगातार अभ्यास

सत्रों में हिस्सा ले रहे हैं।

रविवार को आयोजित एक भव्य समारोह में उज्जैन फाल्कन्स की नई जर्सी का भी आधिकारिक अनावरण किया गया था, जो उज्जैन की संस्कृति, पहचान और जोश को दर्शाती है। माधव तिवारी के टीम से जुड़ने पर उज्जैन फाल्कन्स के प्रमोटर विनायक कालानी ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स के साथ शानदार आईपीएल सीजन बिताने वाले माधव तिवारी का हम उज्जैन फाल्कन्स परिवार में स्वागत करते हैं। वह बेहद प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं और उनके प्रदर्शन ने दिखाया है कि वह बड़े स्तर पर चमकने की क्षमता रखते हैं। उनकी मौजूदगी हमारी टीम को और मजबूत बनाएगी और युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। कैंप के भीतर शानदार ऊर्जा है और हमारा सिर्फ एक ही लक्ष्य है, पूरी मजबूती से मुकाबला करना और उज्जैन का नाम रोशन करना।

टीमः माधव तिवारी, आर्यन पांडे, चंचल राठौर, अधीर प्रताप सिंह, यश दुबे, सोहम पटवर्धन, शुभम कुशवाह, मासूम रजा कैफ, ओजस्वा यादव, गजेंद्र गोस्वामी, आयुष मंकार, अंकुर सिंह चौहान, ऋषि मिगलानी, हर्षवर्धन हार्डिया, नवीन नागले, विशेष मुद्गल, दर्शन राठौर

फ्रेंच ओपन 2026 : यानिक सिनर ने आसान जीत के साथ दूसरे दौर में बनाई जगह

पेरिस। विश्व नंबर-1 इटली के यानिक सिनर ने फ्रेंच ओपन 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए फ्रांस के क्लेमेंट तबूर को सीधे सेटों में 6-1, 6-3, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। दो बार के मौजूदा चैम्पियन कार्लोस अल्काराज चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं, ऐसे में सिनर को खिताब का सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है।

कोर्ट फिलिप शात्रिए पर खेले गए मुकाबले में सिनर ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को संभलने का मौका नहीं दिया। 24 वर्षीय सिनर इस मुकाबले में लगातार 29 मैचों की जीत के साथ उतरे थे। इस दौरान उन्होंने केवल तीन सेट गंवाए थे और इसी महीने सभी मास्टर्स 1000

खिताब पूरे करने की उपलब्धि भी हासिल की थी। सिनर ने मैच की शुरुआत में ही तबूर की सर्विस तोड़कर 2-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने एक और ब्रेक हासिल करते हुए स्कोर 4-1 कर दिया। दमदार फोरहैंड विनर के साथ उन्होंने पहला सेट आसानी से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी इतालवी खिलाड़ी ने शानदार नियंत्रण बनाए रखा और बिना ज्यादा परेशानी के सेट जीत लिया।

तीसरे सेट में फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लेमेंट तबूर ने कुछ बेहतरीन शॉट लगाए और घरेलू दर्शकों का भरपूर समर्थन हासिल किया। विश्व रैंकिंग में 171वें स्थान पर मौजूद तबूर ने कुछ समय के लिए सिनर पर दबाव भी बनाया।

हालांकि, सिनर ने जल्द ही मैच पर दोबारा नियंत्रण स्थापित कर लिया। उनकी सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स और लगातार आक्रामक खेल के सामने तबूर ज्यादा देर टिक नहीं सके। जीत के बाद यानिक सिनर ने कहा, 'मैं यहां वापस आकर बेहद खुश हूं। इस कोर्ट से मेरी कई शानदार यादें जुड़ी हैं। पहले दौर के मुकाबले कभी आसान नहीं होते।'

एफआईएच प्रो लीग : हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम घोषित, यूरोपीय दौरे पर पाकिस्तान-इंग्लैंड से भिड़ेगा भारत

हॉकी इंडिया ने 24 सदस्यीय मजबूत टीम का किया ऐलान, विश्व कप तैयारियों पर फोकस

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बुधवार को एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी। स्टार डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह व्यक्तिगत कारणों से फरवरी में होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम में वापसी करते हुए एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे। भारतीय टीम इस दौरे के दौरान नीदरलैंड, जर्मनी, इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों से भिड़ेगी। यह दौरा आगामी हॉकी विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बेल्जियम में तैयारी, फिर नीदरलैंड और इंग्लैंड में मुकाबले- भारतीय टीम 7 से 9 जून तक बेल्जियम के ब्रुसेल्स में तैयारी शिविर और अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद टीम 10 जून से नीदरलैंड के रॉटरडैम में रहेगी, जहां प्रो लीग मुकाबले खेले जाएंगे। रॉटरडैम चरण के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड

के लंदन जाएगी, जहां पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले होंगे।

अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण- टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का संतुलित मिश्रण रखा गया है। चयनकर्ताओं ने आगामी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए कोर टीम को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। रक्षा पंक्ति में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह और युवा खिलाड़ी अमनदीप लकड़ा शामिल हैं। मिडफील्ड की जिम्मेदारी हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राज कुमार पाल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर होगी। आक्रमण में मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक और सेल्वम कार्थी जैसे तेजतर्रार फॉरवर्ड टीम की ताकत होंगे।

पांच स्टैंडबाय खिलाड़ी भी घोषित

हॉकी इंडिया ने पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों की भी घोषणा की है। इनमें गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, फॉरवर्ड अराइजीत सिंह हुंडाल और मनिंदर सिंह, डिफेंडर पूवन्ना चंद्रा बॉबी तथा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह शामिल हैं। **कोच क्रेग फुल्टन बोले** – 'विश्व स्तरीय टीमों के खिलाफ खुद को परखने का शानदार मौका'।

नॉर्वे शतरंज 2026: प्रज्ञानानंद को फिरोजा ने हराया, दिव्या देशमुख ने हम्पी को दी मात

ओस्लो (नॉर्वे)। नॉर्वे शतरंज 2026 के दूसरे दौर में मंगलवार को एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार संघर्ष किया और कई मुकाबलों का फैसला आर्मगेडन टाईब्रेक में हुआ। दूसरे दौर का एकमात्र क्लासिकल मुकाबला फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलिरेजा फिरोजा ने भारतीय स्टार आर. प्रज्ञानानंद के खिलाफ जीता।

मुकाबले में फिरोजा ने मिडिल गेम के बाद धीरे-धीरे दबाव बनाया और सटीक खेल के दम पर लगातार दूसरी क्लासिकल जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ उन्होंने अंक तालिका में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली।

कार्लसन ने आर्मगेडन में कीमर को हराया

विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन और जर्मनी के शीर्ष खिलाड़ी विन्सेंट कीमर के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला क्लासिकल प्रारूप में ड्रॉ रहा। कार्लसन लंबे समय तक बढ़त बनाते नजर आए, लेकिन कीमर ने कठिन स्थिति में शानदार बचाव करते हुए मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया।

अर्थव्यवस्था

खतरनाक और विस्फोटक पदार्थों की ऑनलाइन बिक्री और सूचीकरण के खिलाफ कार्रवाई

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने खतरनाक और विस्फोटक पदार्थों की ऑनलाइन बिक्री और सूचीकरण के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। सीसीपीए ने कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है, जिनमें इंडियामार्ट, जस्टडायल, सिग्मा-एल्ड्रिच इंडिया, डायल4ट्रेड और एक्सपोर्टर्स इंडिया शामिल हैं। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय सीसीपीए ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर खतरनाक रसायनों, विस्फोटक पदार्थों और संबंधित अग्रदूतों की अनधिकृत ऑनलाइन बिक्री और विज्ञापन के खिलाफ नियामक कार्रवाई शुरू की है। सीसीपीए की इस कार्रवाई का उद्देश्य उपभोक्ता सुरक्षा, सार्वजनिक सुरक्षा और जिम्मेदार ई-कॉमर्स प्रथाओं को मजबूत करना है।

मंत्रालय के मुताबिक सीसीपीए ने विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर खतरनाक और विनियमित पदार्थों की ऑनलाइन लिस्टिंग और बिक्री के संबंध में मिली सूचनाओं के बाद यह कार्रवाई शुरू की है, जिसमें इंडियामार्ट, जस्टडायल, सिग्मा-एल्ड्रिच इंडिया, डायल4ट्रेड और एक्सपोर्टर्स इंडिया शामिल हैं। प्राधिकरण ने कहा कि अमोनियम नाइट्रेट, पीईटीएन, गन पाउडर और पिक्रिक एसिड सहित विनियमित पदार्थों की सूची और बिक्री के संबंध में प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही विक्रेताओं की जानकारी पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) के साथ साझा की गई। सीसीपीए के हस्तक्षेप के बाद प्लेटफॉर्मों ने सूचियों को हटाना और प्रतिबंधित करना शुरू कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले सीसीपीए ने अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो और जियोमार्ट जैसे प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों को 'साइक्लोसिनोन हर्बिसाइड' (एक प्रकार का खरपतवार नाशक) जैसे अपंजीकृत और खतरनाक कृषि रसायनों की बिक्री को लेकर नोटिस जारी किया था।

प्राधिकरण ने इन प्लेटफार्मों को चेतावनी दी थी कि वे उपभोक्ता सुरक्षा और कानूनी अनुपालन की कीमत पर 'डिजिटल सुविधा' प्रदान नहीं कर सकते।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने एसईसीएल के कार्य संचालन की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने दक्षिण पूर्वी कोयला क्षेत्र लिमिटेड (एसईसीएल) का एक दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कंपनी के परिचालन प्रदर्शन, अवसंरचना संबंधी पहलों और भविष्य की विकास योजनाओं की समीक्षा की। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि इस दौरे के दौरान कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रायपुर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भी मुलाकात की।

इस मुलाकात के दौरान दोनों के बीच राज्य में कोयला उत्पादन, अवसंरचना विकास, रसद संपर्क, ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई।

मंत्रालय के मुताबिक इन चर्चाओं का मुख्य लक्ष्य प्रमुख विकास परियोजनाओं में तेजी लाना, परिचालन सुगम बनाना और कोयला उत्पादक क्षेत्रों में आर्थिक विकास एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए

केंद्र और राज्य सरकारों के बीच में समन्वय को मजबूती देना था।

इस मौके पर उन्होंने कोयला क्षेत्र के विकास के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दिए जा रहे निरंतर समर्थन की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि सहयोगात्मक दृष्टिकोण से राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा में राज्य का योगदान और अधिक मजबूत होगा। कोयला मंत्रालय के मुताबिक एसईसीएल मुख्यालय के अपने दौरे के दौरान सतीश चंद्र दुबे ने व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में कोयला के उत्पादन, ढुलाई, गुणवत्ता प्रबंधन, सुरक्षा, डिजिटलीकरण पहल, पर्यावरण स्थिरता उपायों, कोयला गैसीकरण परियोजनाओं, खदान बंद करने की गतिविधियों, सीएसआर पहल और कंपनी की भविष्य की कार्य योजनाओं की समीक्षा की गई।

मंत्रालय के मुताबिक इस अवसर पर एसईसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरीश दुहान ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान एसईसीएल ने कोल इंडिया के 100 मिलियन टन के संचयी उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में 26.86 मिलियन टन का सर्वोच्च योगदान दिया है।

उन्होंने कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एसईसीएल की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस बैठक में एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहान, कार्यात्मक निदेशक, मुख्य सतर्कता अधिकारी, कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और एसईसीएल के अधिकारी उपस्थित थे।

गोयल ने कनाडा के निवेशकों को स्वच्छ ऊर्जा, एआई क्षेत्र में भागीदारी के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली। तीन दिन के आधिकारिक दौरे पर कनाडा गए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को वहां प्रमुख पेंशन कोष, सॉवरेन और संस्थागत निवेशकों के साथ बैठकें कीं। गोयल ने इन बैठकों में निवेशकों को भारत के साथ स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई) डिजिटल ढांचे और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भागीदारी का न्योता दिया।

बैठक में गोयल ने सतत विकास और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय बाजारों में सहयोग को और गहरा करने के अवसरों की तलाश करने का भी आह्वान किया। गोयल ने कहा कि विशेष रूप से सनलाइफ फाइनेंशियल के प्रमुख केविन स्ट्रेन के साथ हुई बैठक में बीमा, सेवानिवृत्ति समाधान, स्वास्थ्य वित्तपोषण और भारत के तेजी से बढ़ते वित्तीय सेवा क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश के अवसरों पर चर्चा हुई।

कई प्रमुख कारोबारी दिग्गजों के साथ द्विपक्षीय बैठकों में फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स के वी प्रेम वत्स, मनुलाइफ फाइनेंशियल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फिलिप विदरिंगटन, सनलाइफ कनाडा के अध्यक्ष और सीईओ केविन स्ट्रेन, टोरंटो डोमिनियन बैंक समूह के अध्यक्ष और सीईओ रेमंड चुन, नियो परफार्मेंस मैटिरियल्स के अध्यक्ष और सीईओ रहीम सुलेमान और मैक्केन फूड्स के अध्यक्ष और सीईओ मैक्स कोइयून शामिल रहे।

आयकर विभाग ने शुरू की 2026-27 के लिए आईटीआर-2 ऑनलाइन दाखिल करने की सुविधा

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने बुधवार को आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न-2 को ऑनलाइन दाखिल करने की सुविधा शुरू कर दी है। अब करदाता आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना आईटीआर-2 को ऑनलाइन भर सकते हैं। आयकर विभाग के मुताबिक आईटीआर-2 उन व्यक्तिगत करदाता के लिए है, जिनकी इनकम व्यवसाय या पेशे से नहीं होती, लेकिन उन्हें पूंजीगत लाभ से प्राप्ति होती है। इससे पहले आयकर विभाग ने 15 मई को आईटीआर-1 और आईटीआर-4 को ऑनलाइन दाखिल करने की सुविधा शुरू की थी, जिनका इस्तेमाल छोटे और मझोले करदाता करते हैं।

आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 की इनकम के लिए आयकर रिटर्न फॉर्म 30 मार्च को अधिसूचित किए गए अब आकलन वर्ष (ए.वाई.) 2026-27 के लिए आईटीआर-2 की ऑनलाइन फाइलिंग और एक्सेल यूटिलिटी अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध हैं। ऐसे में करदाता रिटर्न दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। व्यक्तिगत करदाताओं के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-2 को दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई तय की गई है, जबकि बिना अंकेक्षण (ऑडिट) वाले आईटीआर-4 दाखिल करने के लिए आखिरी तारीख 31 अगस्त है।

कोल इंडिया में दो फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी सरकार, बिक्री पेशकश खुली

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) में अपनी दो फीसदी हिस्सेदारी बिक्री की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। ये प्रक्रिया गैर-खुदरा निवेशकों के लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) बुधवार को खुल गई। इसके लिए न्यूनतम 412 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है।

सरकार को इस बिक्री से लगभग 5,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। सीआईएल में दो दिन चलने वाली बिक्री पेशकश के तहत सरकार लगभग 12.32 करोड़ शेयर बेच रही है। इसमें एक फीसदी के ग्रीनशू विकल्प को भी शामिल किया है। खुदरा निवेशक इसमें निवेश करने के लिए अब 29 मई को शेयरों के बोली लगा सकेंगे, क्योंकि 28 मई को शेयर बाजार बंद रहेगा।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के आंकड़ों के अनुसार शेयर बाजार खुलने के एक घंटे के भीतर ही गैर-खुदरा निवेशकों की ओर से लगभग 27.39 करोड़ शेयरों के लिए बोली लगाई गई।

यह उनके लिए आरक्षित 5.54 करोड़ शेयरों की तुलना में कहीं अधिक है। सीआईएल के शेयरों के लिए 414.57 रुपये के संकेतात्मक मूल्य पर बोली लगाई गई। सरकार के द्वारा बिक्री पेशकश के लिए तय 412 रुपये का न्यूनतम मूल्य मंगलवार के बंद भाव 458.25 रुपये से लगभग 10 फीसदी कम है। वहीं, बुधवार को कंपनी का शेयर 2.30 फीसदी के नुकसान के साथ 447.70 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में यह किसी सरकारी कंपनी के लिए, लाया गया दूसरा ओएफएस है। इससे पहले सरकार ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में 8.08 फीसदी की हिस्सेदारी बेचकर 2,266 करोड़ रुपये जुटाए थे।